आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 97 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 29 मार्च, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

आयकर विभाग ने कांग्रेस पर ठोंका 1700 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चारों तरफ से घिरी हुई कांग्रेस पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है। आयकर विभाग ने कांग्रेस पार्ट्टी पर 1700

करोड़ रूपए का जुर्माना लगा दिया है। कांग्रेस को कहा गया है कि पार्टी तुरंत 1700 करोड रूपए का भुगतान करे। खुद कांग्रेस के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी है कि कांग्रेस पार्टी को आयकर विभाग ने 1700 करोड़ रूपए का नोटिस भेजा हे।

आपको बता दें कि आयकर विभाग ने कांग्रेस पार्टी को एक ताजा नोटिस भेजा है। नोटिस में 1700 करोड़ रूपए जमा करने का नोटिस निर्देश दिया गया है। कांग्रेस नेता विवेक तन्खा ने इस घटनाक्रम की जानकारी दी. यह नोटिस मूल्यांकन वर्ष 2017-18 और 2020-21 के लिए दिया गया है और इसमें जुर्माना और ब्याज भी शामिल है.

इससे पहले गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने कांग्रेस पार्टी को झटका दिया था. अदालत ने टैक्स अधिकारियों की ओर से उनके खिलाफ चार साल की अवधि के लिए टैक्स पुनर्मूल्यांकन प्रोसिडिंग शुरू करने को चुनौती देने वाली कांग्रेस की याचिकाओं को खारिज कर दिया.

दिल्ली हाईकोर्ट की बेंच ने अपने आदेश में कहा कि कांग्रेस के खातों में कई बेहिसाब लेनदेन थे. आयकर अधिकारियों के पास उनके पुनर्मूल्यांकन की कार्यवाही शुरू करने के लिए पर्याप्त और ठोस सबूत मौजूद थे. इनके आधार पर कार्रवाई शुरू की गई. मौजूदा मामला आकलन वर्ष 2017 से 2021 तक का है.

दरअसल कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल याचिकाओं में साल 2014-15,16 और 17 तक के आयकर विभाग की ओर से पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही को भी (शेष पृष्ठ-4 पर)

भारत को छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं: राजनाथ सिंह

रक्षामंत्री ने चीन को दी कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन को लेकर कड़ा

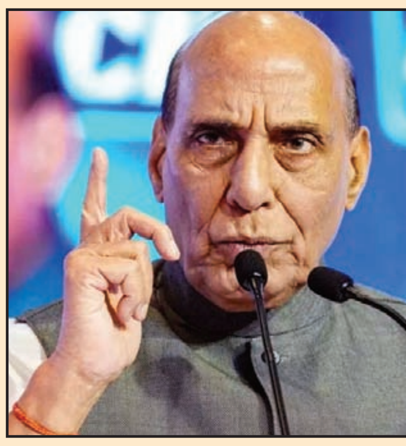

बयान दिया है। राजनाथ सिंह ने साफ-साफ कहा है कि भारत को छेड़ने की हिम्मत किसी में नहीं है। जो भारत को छेड़ेगा भारत उसे नहीं छोड़ेगा। राजनाथ सिंह यहीं नहीं रूके उन्होंने कहा कि किसी की मां ने ऐसा दूध नहीं पिलाया है जिसे पीकर कोई भारत की प्रतिष्ठा को आंच लगा सके।

एक प्राइवेट टीवी चैनल के कार्यक्रम में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ढ़ेर सारे सवालों का जवाब दिया। चीन द्वारा भारत की जमीन पर कब्जा करने के आरोप पर राजनाथ सिंह ने कहा कि आज दुनिया में किसी की हिम्मत नहीं है जो भारत के साथ छेड़छाड़ कर सके। श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि भारत शांतिप्रिय देश है, किन्तु जो कोई भारत को छेडने् की हिमाकत करेगा भारत उसे छोड़ेगा नहीं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि कोई भी माई का लाल भारत की प्रतिष्ठा या उसकी आन-बान-शान पर सवालिया निशान नहीं खड़ा कर सकता है. रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अब कमजोर नहीं, बल्कि ताकतवर हो चुका है।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने चीन के जमीन कब्जाने को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, '1962 के बाद से भारत-चीन के बीच क्या स्थिति रही है, इस बात को हर कोई अच्छी तरह से जानता है। रणनीतिक मामलों का सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं किया जाता है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

क्राइम फाईल

किशोरी लापता, अपहरण की आशंका जताई

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के गिझोड गांव से 13 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी घर से खेलने के लिए बाहर गई थी।

गिझोड गांव में किराए पर रहने वाले राकेश (काल्पनिक नाम) ने बताया कि बीते 22 मार्च की दोपहर को उसकी 13 वर्षीय बेटी बच्चों के साथ खेलने के लिए गई थी। उसके बाद में वापस घर नहीं लौटी। उन्होंने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। उन्होंने अपनी बेटी के अपहरण की आशंका जताते हुए थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोरी की तलाश की जा रही है।

कंपनी से चोरी कर रहे चोर को रंगे हाथ दबोचा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। महिला उद्यमी पार्क में स्थित एक कंपनी से सामान चोरी कर ले जा रहे चोर को कर्मचारियों ने मौके पर ही दबोच लिया। आरोपी के पास से चोरी का सामान बरामद हुआ है। पकड़े गए आरोपी को थाना ईकोटेक तीन पुलिस के हवाले कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

महिला उद्यमी पार्क में कंपनी चलाने वाले मुमताज खान ने बताया कि 27 मार्च की रात्रि को एक चोर उन की कंपनी में घुस आया। कंपनी में सो रहे यूनिस ने आवाज सुनकर चोर को मौके पर दबोच लिया। इसके पास से प्लास्टिक के कट्टे में 61 प्लेट के टुकड़े मिले। इन टुकड़ों की कीमत करीब 5000 हजार रूपये है। पकड़े गए चोर ने अपना नाम संदीप पुत्र राम सागर निवासी ग्राम डबरा जनपद बस्ती बताया। पूछताछ में संदीप ने बताया कि उसने पूर्व में भी कंपनी में चोरी की थी।

शिकायत करने पर कंपनी कर्मचारी को पीटा

नोएडा (चेतना मंच)। कंपनी मैनेजर से शिकायत करने से गुस्सा एक कर्मचारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर साथी कर्मचारी के साथ मारपीट की। पीड़ित ने थाना फेस वन क्षेत्र में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्रीन सिटी शिवालय गाजियाबाद निवासी मोहित ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि वह सेक्टर-6 स्थित हेल्थ केयर इंश्योरेंस कंपनी में काम करता है। उसके साथ ही मोहम्मद सलीम भी कार्य करता है। 24 मार्च को कंपनी के किसी कार्य को लेकर उसकी मोहम्मद सलीम से बहस हो गई थी। उसने इसकी शिकायत कंपनी के मैनेजर से की थी। शिकायत किए जाने से गुस्साए मोहम्मद सलीम ने 26 मार्च को उसे सेक्टर- 2 में रोक लिया। उसके साथ कुछ अज्ञात लोग भी थे इन लोगों ने उसके साथ हॉकी तथा रॉड से मारपीट कर उसे घायल कर दिया।

आरोपियों ने उसे इस कदर पीटा कि वह बेहोश होकर गिर गया। झगड़ा होता देख कर आस पड़ोस के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर मोहम्मद सलीम उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

बिल्डिंग से छलांग लगाकर वृद्ध ने की खुदकुशी

ग्रेटर नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के निराला ग्रीन सोसाइटी में एक (65 वर्षीय) वृद्ध ने ऊंचाई से कूद कर आत्महत्या कर ली। आज सुबह वृद्ध का शव सोसाइटी में पड़ा हुआ मिला। पुलिस की प्रारंभिक जांच में

पारिवारिक परेशानी की बात सामने आई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि आज सुबह 6 बजे पीआरबी को सूचना मिली कि निराला ग्रीन सोसाइटी में एक वृद्ध व्यक्ति ने ऊंचाई से कूद कर आत्महत्या कर ली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के पंचनामे की कार्रवाई की। मृतक की पहचान सोसाइटी में रहने वाले 65 वर्षीय लव कुश तिवारी के रूप में हुई। लव कुश तिवारी अपनी पत्नी व बेटे के साथ सोसाइटी में रह रहे थे। जांच के दौरान पता चला है कि पारिवारिक परेशानी के चलते लवकुश तिवारी पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान थे। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आशंका जताई जा रही है कि देर रात लव कुश तिवारी ने अपार्टमेंट के टावर से कूद कर जान दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

हनीट्रैप में फंसाकर लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश, युवती समेत 4 गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। अगर आप फेसबुक अथवा अन्य सोशल साइट के माध्यम से किसी अनजान युवती से चैट अथवा बातचीत कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए ऐसा ना हो कि आप एक गिरोह के शिकंजे में फस जाए। थाना सेक्टर 58 पुलिस ने एक युवती सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकडी गई युवती पहले फेसबुक के जरिए युवकों से दोस्ती कर मिलने के बहाने से बुलाती थी। इस दौरान उसके साथी मिलने आए युवक से जबरन पैसे अपने अकाउंट में ट्रांसफर करा लेते थे।

14.5 हजार नकदी व 6 मोबाइल फोन बरामद

थाना प्रभारी ने बताया कि एक युवक ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसकी फेसबुक पर नागर परी नाम की युवती से दोस्ती हुई थी। युवती ने उसे 14 मार्च को मिलने के लिए सेक्टर-62 बुलाया था। जब वह लड़की द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचा तो वहां उसे पहले से ही एक लड़की व दो लड़के खड़े मिले। इन लोगों ने जबरन उससे मोबाइल फोन ले लिया और बदनाम करने तथा जान से मारने की धमकी देकर ग्राहक सेवा केंद्र के खाते में 17120 रुपए ट्रांसफर कर लिए। पुलिस में शिकायत करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभिषेक शर्मा, फिरोज, शशि पाल व शिवानी को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से 14500 तथा 6 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि पकड़ी गई शिवानी फेसबुक पर युवकों से दोस्ती करने के बाद उन्हें मिलने के बहाने बुलाती थी। जैसे ही युवक उससे मिलने के लिए निर्धारित स्थान पर पहुंचता था तो उसके साथी जबरन उससे पैसे ट्रांसफर करा लेते थे। पकड़े गए आरोपियों ने इस तरह की दर्जन भर से अधिक घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

युवती व युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या की

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग थाना क्षेत्र में एक युवती व युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिले हैं। इस कारण आत्महत्या की वजह का खुलासा नहीं हो पाया है।

मूल रूप से मधुबनी (बिहार) निवासी अनोखा कुमारी अपनी बहन आरती व सरस्वती के साथ हरौला गांव में किराए पर रह रही थी। गुरुवार की शाम को आरती व सरस्वती कमरे पर पहुंची तो उन्हें अनोखा कुमारी फांसी के फंदे पर लटकी मिली। उन्होंने पड़ोसियों की मदद से उसे फंदे से उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। आत्महत्या की जानकारी मिलने पर थाना फेस वन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि अनोखा कुमारी मानसिक रूप से कमजोर थी और गांव में भी वह आत्महत्या का प्रयास कर चुकी थी। इस कारण उसकी बहने उसे अपने साथ नोएडा ले आई थी। यहां पर भी कुछ दिन पूर्व उसने अपने हाथ की नस काट ली थी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

कैशियर ने कंपनी के खाते से हड़पे 10.5 लाख रुपये

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 126 में एक व्यक्ति ने अपने कैशियर के खिलाफ कंपनी के 1050000 रुपए हड़पने का आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि कैशियर ने कंपनी के खातों में हेरा फेरी कर कंपनी के पैसों का दुरुपयोग किया है।

सेक्टर-126 स्थित आईजीएल बिल्डिंग में द फूडफेलस फूड कोर्ट के अधिकृत प्रतिनिधि अमरिंदर सोढ़ी ने बताया कि उन्होंने फूड कोर्ट में कैशियर के रूप में सुखविंदर सिंह को रखा था। कुछ समय पूर्व उन्होंने अपने फार्म का चार्टर्ड अकाउंट से ऑडिट करवाया इस दौरान पता चला कि कंपनी के खातों में बड़ी (शेष पृष्ठ-4 पर)

फर्जी बैनामा करा कर 46 लाख हड़पे

अदालती आदेश पर 12 के खिलाफ मुकदमा

नोएडा (चेतना मंच)। फर्जी बैनामा कर 46 लाख रुपए हड़पने के आरोप में 12 लोगों के खिलाफ थाना फेस तीन में मुकदमा दर्ज कराया गया है। न्यायालय के निर्देश पर पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर 66 निवासी विकास चौहान ने बताया कि उसके चाचा की दुकान पर उसकी मुलाकात अमित राजपूत, फुरकान, वाहिद अली, वसीम आदि से हुई। इन लोगों ने उसे बताया कि उनके साथी अनादि, रिक्की, मोहम्मद फिरोज व मनीराम के नाम गढ़ी चौखंडी गांव में 400 वर्ग गज का प्लॉट है। वह इस प्लॉट को बेचना चाह रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह प्लॉट परमेश्वरी देवी से खरीदा है और सारा पैसा उसे दे दिया है। आरोपियों ने प्रस्ताव रखा कि वह परमेश्वरी देवी से ही प्लॉट का सीधा बैनामा उनके नाम करा देंगे। उनके हां करने पर अनादिल मोहम्मद फिरोज रिकी चमन देवी ने उनके नाम बैनामा करा लिया। बैनामा करने के बाद उन्होंने आरोपियों को प्लॉट की एवज में 46 लाख रुपए दे दिए। कुछ समय बाद पता चला कि आरोपियों ने (शेष पृष्ठ-4 पर)

ऐप के जरिए 89 हजार की ठगी

नोएडा (चेतना मंच)। गूगल जहां कई लोगों के लिए ज्ञान का भंडार साबित हो रहा है। वहीं यह अब साइबर ठगों का भी हथियार बनता जा रहा है। साइबर ठग विभिन्न साइटों पर अपने नंबर डालकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसा ही एक मामला थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में प्रकाश में आया है।

सेक्टर-134 स्थित जेपी कॉसमॉस सोसायटी निवासी कैलाश महतो ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसने ब्लैंकेट ऐप पर कुछ सामान ऑर्डर किया था। सामान की डिलीवरी होने पर उन्हें कुछ सामान पसंद नहीं आया इस सामान को रिटर्न करने के लिए उन्होंने गूगल पर ब्लैंकेट ऐप की साइट चेक की। यहां से उन्हें एक व्यक्ति का मोबाइल नंबर मिला। उक्त मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर व्यक्ति ने खुद को ब्लैंकेट ऐप का (शेष पृष्ठ-4 पर)

शादी का वादा कर युवती के 30 लाख लेकर चंपत

नोएडा (चेतना मंच)। लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाला युवक पार्टनर युवती से 30 लाख रुपए लेकर चंपत हो गया। युवक की तलाश में धक्के खा रही युवती ने थाना सेक्टर-24 में उसके खिलाफ अमानत में खयानत का मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-52 के अरावली अपार्टमेंट में रहने वाली युवती कोमल (काल्पनिक नाम) ने बताया कि वह शुभम जायसवाल के साथ 2 साल से रिलेशन में है और दोनों लिव इन में साथ रह रहे हैं। उसने उससे शादी करने का वादा 30 लाख रुपए ले लिए। इस दौरान उसे पता चला कि शुभम जायसवाल की पहले से ही शादी हो रखी है। उसने जब इस बारे में बात की तो उसने शादीशुदा होने से इनकार करते हुए उसके साथ ही शादी करने का वादा किया। कुछ समय बाद उसने बताया कि वह नौकरी के सिलसिले में सऊदी अरब जा रहा है और वहां से 2 महीने बाद आकर वह उसे शादी करेगा। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल रहा है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

युवक पर जानलेवा हमला, एक दर्जन के खिलाफ मुकदमा

नोएडा (चेतना मंच)। जिम करके घर वापस लौट रहे एक युवक पर कार व बाइक सवार हमलावरों ने जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया है। हमलावरों ने तमंचे की बट व लोहे की रॉड से प्रहार कर युवक को लहू लुहान कर दिया। पीड़ित ने थाना एक्सप्रेसवे में 8 नामजद व 4 अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम दोस्तपुर मंगली बांगर निवासी आकाश ने बताया कि 26 मार्च की रात्रि को वह जिम करके बाइक से (शेष पृष्ठ-4 पर)

सपा के प्रदेश सचिव बने भरत यादव

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी ने जनपद गौतमबुद्धनगर के ग्राम गढ़ी चौखंडी निवासी भरत यादव प्रधान को अहम जिम्मेदारी

दी है। उन्हें सपा की प्रदेश कार्यकारिणी में सचिव बनाया गया है। श्री यादव पार्टी के गठन के समय से ही सपा से जुड़े हुए हैं और विभिन्न अहम पदों पर रह चुके हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने भरत यादव प्रधान को प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। प्रदेश सचिव बन जाने पर भारत यादव प्रधान ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्हें जिस उम्मीद से जिम्मेदारी सौंप गई है उसे पर वह खरा उतरने का पूरे प्रयास करेंगे। आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

बता दें कि भरत यादव प्रधान के पिता स्वर्गीय रघुवर यादव सपा के संस्थापक सदस्यों में एक रहे हैं। वह स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के खासे विश्वसनीय और करीबी व्यक्ति थे। (शेष पृष्ठ-4 पर)

जमीन बेचने के नाम पर 13 लाख डकारे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। खेती की जमीन बेचने के नाम पर तीन जालसाजों ने एक व्यक्ति से 13 लाख रुपए हड़प लिए। पीड़ित ने महिला सहित तीन लोगों के खिलाफ थाना बीटा दो में मुकदमा दर्ज कराया है।

महिला समेत तीन पर मुकदमा

अंसल हाउस सोसाइटी निवासी छत्रपाल शर्मा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 1 जुलाई 2023 को ग्राम चचोई सिकंदराबाद निवासी राजबाला पत्नी सुरेश भीम सिंह सोलंकी व अभिनेश सिंह सोलंकी से जमीन खरीदने के लिए संपर्क किया था। 36 बीघा जमीन का तीन बार में बैनामा होना तय हुआ था। उसने बयाना के रूप में 13 लाख रुपए दे दिए। 5 अक्टूबर 2023 को है बकाया धनराशि लेकर उप निबंधक सिकंदराबाद के यहां पहुंचा लेकिन विपक्षी बैनामा करने नहीं आए। उसने आरोपियों से बैमाना करने को कहा तो वह उसे टालते रहे। इसके बाद उसने 20 दिसंबर 2023 को उपनिबंधक सिकंदराबाद के यहां जांच कराई तो पता चला कि उक्त भूमि आरोपियों ने किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी है और विक्रय पत्र भी निष्पादित हो चुका है। उसके बाद वह आरोपियों के गांव पहुंचा और उनसे पैसे मांगे तो आरोपियों ने पैसे देने से मना कर दिया। भीम सिंह सोलंकी ने गाली गलौज करते हुए पिस्टल उसकी कनपटी पर सटा दी और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने न्यायालय के निर्देश पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नरेन्द्र शर्मा बने सपा मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-12 निवासी समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र शर्मा पुत्र श्री हरस्वरूप दत्त शर्मा को

समाजवादी मजदूर सभा का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल निगम वारसी ने यह नियुक्ति की है।

उन्होंने नरेन्द्र शर्मा से अपेक्षा की है कि वे पूर्व की तरह समाजवादी मजदूर सभा को और भी सशक्त बनाने में अपनी अहम भूमिका अदा करेंगे तथा 2024 लोकसभा चुनाव में पार्टी को जीत दिलाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

बता दें कि इसके पूर्व कई वर्षों से नरेन्द्र शर्मा समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय सचिव के तौर पर अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करते आ रहे हैं। करीब दो दशकों से सपा से जुड़े श्री शर्मा की लगन व निष्ठा के मद्देनजर उन्हें अब राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है।

घाटी में राहत

यह जम्मू-कश्मीर के लिए बड़ी राहत की बात होगी, अगर केंद्र सरकार वहां से सशस्त्र बल अधिनियम यानी अफस्पा हटा कर नागरिक ठिकानों की सुरक्षा-व्यवस्था पुलिस को सौंप दे। केंद्रीय गृहमंत्री ने इस पर विचार करने का आश्वासन दिया है। जल्दी ही वहां विधानसभा चुनाव कराने और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी पूरी तरह पुलिस के हाथों में सौंप देने का वचन दोहराया है। सरकार का मानना है कि अब घाटी में आतंकवाद पर काफी हद तक काबू पाया जा चुका है। आतंकी संगठनों को वित्तपोषण करने वाले व्यक्तियों को सलाखों के पीछे डाला जा चुका, उनकी परिसंपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं और उनके बैंक खाते बंद कर दिए गए हैं। कई आतंकी संगठनों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उनकी सक्रियता समाप्त हो गई है। अब वहां की पुलिस भी सुरक्षा-व्यवस्था संभालने के मामले में सक्षम हो चुकी है। हालांकि वहां से अफस्पा हटाने की मांग लंबे समय से की जाती रही है, मगर विशेष राज्य का दर्जा समाप्त होने के बाद जिस तरह वहां अलगाववादी ताकतें सक्रिय हो गई थीं, उसके मद्देनजर अधिक संख्या में सेना को उतारना और अफस्पा को लगाए रखना जरूरी हो गया था। अब वहां विधानसभा चुनाव की मांग भी जोर पकड़ रही है, ऐसे में जैसा कि केंद्र सरकार मानती है, वहां आतंकवाद कमजोर हुआ है, अफस्पा हटाने का फैसला एक बड़ा कदम साबित होगा। दरअसल, अफस्पा के तहत सशस्त्र बलों को शक के आधार पर किसी की भी गिरफ्तारी, बिना किसी मंजूरी के तलाशी और गोली तक चला देने के अधिकार मिले होते हैं। इससे घाटी में सेना पर ज्यादतियों के आरोप लगते रहे हैं। फर्जी मुठभेड़ों, बड़ी संख्या में नागरिकों के लापता होने, मानवाधिकारों के हनन और बेकसूर लोगों के मारे जाने की ढेरों शिकायतें दर्ज हैं। वैसे भी नागरिक ठिकानों पर सशस्त्र बलों की तैनाती जनतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से अच्छी बात नहीं मानी जाती। कानून-व्यवस्था राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र का विषय है। मगर अफस्पा के तहत सशस्त्र बलों की तैनाती की जाती है, तो उससे राज्य के अधिकारों का हनन भी होता है। हालांकि इस वक्त जम्मू-कश्मीर में कोई राज्य सरकार नहीं है, पर नागरिक अधिकारों के लिहाज से सशस्त्र बलों की तैनाती और उन्हें अफस्पा का अधिकार दिया जाना उचित नहीं माना जाता है। वैसे भी सेना को नागरिक क्षेत्रों की सुरक्षा का प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। उन्हें कानून-व्यवस्था संबंधी मामलों की समझ भी नहीं होती। पुलिस को न केवल नागरिक सुरक्षा, बल्कि अनेक स्थानीय विवादों को निपटाने की भी जिम्मेदारी होती है, वह सशस्त्र बलों की मौजूदगी से बाधित होती है। घाटी में सशस्त्र बलों की सघन मौजूदगी की वजह से स्थानीय नागरिकों में रोष देखा जाता रहा है। इससे सरकार की नागरिकों से दूरी भी बढ़ती है। अगर नागरिक ठिकानों से सेना को हटा दिया जाता है, तो सरकार की योजनाओं की पहुंच भी स्पष्ट नजर आएगी। स्वाभाविक है, इससे नागरिकों का सरकार पर भरोसा बनेगा। इस तरह विधानसभा चुनावों के बाद सरकारी गतिविधियों के लिए एक समतल जमीन बन सकेगी। इस वक्त जम्मू-कश्मीर में सबसे जरूरी है सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास बहाली की। इसके बिना स्थानीय युवाओं में भटकाव को दूर करना और उन्हें आतंकी गतिविधियों से मोड़ कर मुख्यधारा में लाना कठिन ही बना रहेगा, क्योंकि अफस्पा के चलते वहां के लोगों के भीतर अनेक प्रकार की कड़वाहटें भरी हुई हैं।

एसबीआई ने साबित कर दिया सरकारी तंत्र भय से काम करता है

कि सरकारी मशीनरी डंडे के जोर से काम करती है। इसका उदाहरण चुनावी बांड के खुलासे से हो गया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने इस मामले को टरकाने के प्रयास किए किन्तु सुप्रीम कोर्ट के सामने दाल नहीं गल सकी। बांड के जरिए चुनावी चंदा देने वाले उद्योगपतियों के नाम और राशि छिपाने के एसबीआई के सारे प्रयासों पर सुप्रीम कोर्ट ने पानी फेर दिया। एसबीआई की मंशा थी कि इस चंदे के मामले का खुलासा जून महीने के बाद किया जाए ताकि लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद इस मामले को आने वाली केंद्र सरकार संभाल सके। एसबीआई ने इस बांड खुलासे की अवधि को लंबा खींचने के लिए कई तरह के बहाने बनाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में साफ कह दिया कि यदि निर्धारित तारीख तक इसकी जानकारी चुनाव आयोग को नहीं दी गई और चंदे का ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भारतीय चुनाव आयोग ने 14 मार्च को चुनावी बॉन्ड से जुड़े डेटा को जारी किया था। चुनावी बॉन्ड यानी इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ा डेटा वही डेटा है जिसे चुनाव आयोग के साथ 12 मार्च को एसबीआई ने शेयर किया था। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर 2 लिस्ट जारी किए गए हैं। इसमें कुल 763 पन्ने हैं जिनमें चुनावी बॉन्ड खरीदने वाली कंपनियों और लोगों के नाम शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के सामने एसबीआई ने घुटने टेक दिए। जिस विवरण को जुटाने के लिए जून माह तक समय मांगा जा रहा था, उसे एसबीआई ने चंद दिनों में ही पूरा कर दिखाया। इससे जाहिर है कि कार्रवाई के भय से सरकारी तंत्र तूफान की गति से काम कर सकता है। सरकारी मशीनरी में लगी जंग तभी हटती है सुप्रीम कोर्ट जैसे आदेशों की पालना करनी होती है।

गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब किसी सरकारी विभाग ने कोर्ट के भय के मारे घोड़े की गति से काम किया है। कोयला घोटाले स्टेटस रिपोर्ट के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो इसका दूसरा बड़ा उदाहरण है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कानून मंत्री और पीएमओ की दखलअंदाजी को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। नाराजगी जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख शब्दों में कहा था कि सीबीआई के कई मास्टर हैं और जांच एजेंसी पिंजड़े में कैद तोते जैसी है। सरकार को फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जब सीबीआई स्वतंत्र ही नहीं है तो वो निष्पक्ष जांच कैसे कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई वो तोता है जो पिंजरे में कैद है जबकि सीबीआई एक स्वायत्त संस्था है और उसे अपनी स्वायत्ता बरकरार रखनी चाहिए। सीबीआई को

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भारतीय चुनाव आयोग ने 14 मार्च को चुनावी बॉन्ड से जुड़े डेटा को जारी किया था। चुनावी बॉन्ड यानी इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ा डेटा वही डेटा है जिसे चुनाव आयोग के साथ 12 मार्च को एसबीआई ने शेयर किया था।

एक तोते की तरह अपने मास्टर की बातें नहीं दोहरानी चाहिए। एसबीआई ने भी सीबीआई की तरह व्यवहार किया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट को सख्ती दिखाने पर विवश होना पड़ा। एसबीआई फिर भी होशियारी दिखा रही है। अदालत ने बैंक से पूछा है कि बॉन्ड नंबरों का खुलासा क्यों नहीं किया। बैंक ने अल्फा न्यूमिरिक नंबर क्यों नहीं बताया। अदालत ने एसबीआई को बॉन्ड नंबर का खुलासा करने का आदेश दिया है। अदालत का आदेश है कि सील कवर में रखा गया डेटा चुनाव आयोग को दिया जाए, क्योंकि उनको इसे अपलोड करना है। अदालत ने कहा कि बॉन्ड खरीदने और भुनाने की तारीख बतानी चाहिए थी। दरअसल यूनिक आईडी हर एक बॉन्ड का यूनिक नंबर होता है। इसके जरिए आसानी से यह पता लगाया जा सकेगा कि आखिर किस कंपनी या व्यक्ति ने किस पार्टी को चंदा दिया है। चंदा देने वाले और चंदा पाने वालों की सभी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध रहेगी। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि बॉन्ड नंबरों से पता चल सकेगा कि किस दानदाता ने किस पार्टी को कितना चंदा दिया है।

केंद्र सरकार की इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम शुरु से ही विवादों में घिरी रही है। इस स्कीम के तहत जनवरी 2018 और जनवरी 2024 के बीच 16,518 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड ख़रीदे गए थे और इसमें से ज़्यादातर राशि राजनीतिक दलों को चुनावी फंडिंग के तौर पर दी गई थी। इस राशि का सबसे बड़ा हिस्सा केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को मिला था। इन बॉन्ड्स पर पारदर्शिता को लेकर कई सवाल उठ रहे थे और ये आरोप लग रहा था कि ये योजना मनी लॉन्डरिंग या काले धन को सफ़ेद करने के लिए इस्तेमाल हो रही थी। इलेक्टोरल बॉन्ड्स की वैधता पर सवाल उठाते हुए एसोसिएशन फ़ॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), कॉमन कॉज़ और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी समेत पांच याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था। एडीआर के संस्थापक और ट्रस्टी प्रोफ़ेसर जगदीप छोकर ने कहा कि यह फैसला क़ाबिल-ए तारीफ़ है। इसका असर ये होगा कि इलेक्टोरल बॉन्ड्स स्कीम बंद हो जाएगी और जो कॉरपोरेट्स की तरफ से राजनीतिक दलों को पैसा दिया जाता था जिसके बारे में आम जनता को कुछ भी पता नहीं होता था, वो बंद हो जाएगा। इस मामले में जो पारदर्शिता इलेक्टोरल बॉन्ड्स स्कीम ने ख़त्म की थी वो वापस आ जाएगी। इस मामले से बतौर याचिकाकर्ता जुड़े रहे मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी कहते हैं कि ये स्कीम असंवैधानिक थी और लेवल प्लेइंग फील्ड (समान अवसर) को ख़त्म करती थी। येचुरी ने कहा कि शुरू से ही उनकी और उनकी पार्टी की राय ये थी कि इलेक्टोरल बॉन्ड राजनीतिक भ्रष्टाचार को वैध बनाने का साधन है।

सीताराम येचुरी कहते हैं कि सही तो यही होगा कि पैसा वापस किया जाए क्योंकि ये स्कीम ही असंवैधानिक है। लेकिन हम चाहते हैं कि जिन कंपनियों ने ये पैसा राजनीतिक दलों को दान किया ये उन्हें वापस न जाए। ये पैसा सरकारी खाते में जमा होना चाहिए और चुनावों के स्टेट फंडिंग की योजना को शुरू किया जाना चाहिए। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ये निर्णय एक बहुत ही प्रामाणिक उद्देश्य के लिए लाया गया था। चुनाव में पारदर्शिता हो फंडिंग में, इसके लिए लाया गया था। चुनाव में कैश का प्रभाव कम हो उसके लिए भी लाया गया था। इस बात को समझना बहुत ज़रूरी है। हमारे जितने चंदा देने वाले लोग हैं उनकी अपेक्षा थी कि उचित होगा कि हमारे लिए भी एक गोपनीयता रखी जाए। उन्होंने कहा कि कोई सरकार हार गई और उनके विरोधी दूसरी जगह आए तो वो चंदा देने वालों के ख़िलाफ़ हो जाते हैं। इसलिए कोई ईमानदारी से बिजनेस कर रहे हैं तो वो अपना काम करें। इलेक्टोरल बॉन्ड ख़त्म होने से चुनाव की फ़ंडिंग पर बहुत कम फ़र्क पड़ता है क्योंकि चुनावी फंडिंग का ज़्यादातर हिस्सा नक़दी में आता है। ये फ़ैसला केवल फंडिंग की पारदर्शिता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सत्तारूढ़ दल को धन मिलता रहेगा जबकि विपक्ष के धन का स्रोत कम हो जाएगा। न्यायालय ने बार-बार सरकार के साथ सीधे टकराव से दूर रहने का विकल्प चुना है, ख़ासकर सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं या अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर। चूंकि ये फ़ैसला सर्वसम्मति से लिया गया है तो ये बताता है कि न्यायाधीशों ने दृढ़ता से महसूस किया कि बॉन्ड योजना संवैधानिक रूप से अस्थिर थी।

सीबीआई की तरह एसबीआई की चुनावी फंड के मामले में हुई किरकिरी से साबित हो गया है कि पिंजरे का तोता सिर्फ एक ही विभाग नहीं हैं। सरकारी विभाग सत्तारुढ़ दलों की कठपुतलियों की तरह काम करते हैं। सत्ता बदलते ही दूसरे दलों की भाषा बोलने लगते हैं। दरअसल जब तक कामकाज और पारदर्शिता को लेकर कानूनी तौर पर सरकारी मशीनरी की जिम्मेदारी तय नहीं होगी तब तक अदालतों के आदेशों की मार नौकरशाही पर पड़ती रहेगी। सरकारें यदि नाकार सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी तय कर दें तो सरकार और नौकरशाही को ऐसी शर्मिंदगी का सामना नहीं करना पड़ेगा। **- योगेन्द्र योगी**

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे द्विज! जो क्षमाशील एवं परोपकारी होते हैं, वे मुझे वैसे ही प्रिय हैं जैसे खरारि श्री रामचंद्रजी। हे द्विज! मेरा शाप व्यर्थ नहीं जाएगा। यह हजार जन्म अवश्य पाएगा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जनमत मरत दुसह दुख होई। एहि स्वल्पउ नहिं ब्यापिहि सोई॥
कवनेउँ जन्म मिटिहि नहिं ग्याना। सुनहि सूद्र मम बचन प्रवाना॥
परंतु जन्मने और मरने में जो दुःसह दुःख होता है, इसको वह दुःख जरा भी न व्यापेगा और किसी भी जन्म में इसका ज्ञान नहीं मिटेगा। हे शूद्र! मेरा प्रामाणिक (सत्य) वचन सुन॥
रघुपति पुरीं जन्म तव भयऊ। पुनि मैं मम सेवाँ मन दयऊ॥
पुरी प्रभाव अनुग्रह मोरें। राम भगति उपजिहि उर तोरें॥
(प्रथम तो) तेरा जन्म श्री रघुनाथजी की पुरी में हुआ। फिर तूने मेरी सेवा में मन लगाया। पुरी के प्रभाव और मेरी कृपा से तेरे हृदय में रामभक्ति उत्पन्न होगी॥
सुनु मम बचन सत्य अब भाई। हरितोषन ब्रत द्विज सेवकाई॥
अब जनि करहि बिप्र अपमाना। जानेसु संत अनंत समाना॥
हे भाई! अब मेरा सत्य वचन सुन। द्विजों की सेवा ही भगवान को प्रसन्न करने वाला व्रत है। अब कभी ब्राह्मण का अपमान न करना। संतों को अनंत श्री भगवान ही के समान जानना॥
इंद्र कुलिस मम सूल बिसाला। कालदंड हरि चक्र कराला॥
जो इन्ह कर मारा नहिं मरई। बिप्र द्रोह पावक सो जरई॥
इंद्र के वज्र, मेरे विशाल त्रिशूल, काल के दंड और श्री हरि के विकराल चक्र के मारे भी जो नहीं मरता, वह भी विप्रद्रोह रूपी अग्नि से भस्म हो जाता है॥
अस बिबेक राखेहु मन माहीं। तुम्ह कहँ जग दुर्लभ कछु नाहीं॥
औरउ एक आसिषा मोरी। अप्रतिहत गति होइहि तोरी॥8॥
ऐसा विवेक मन में रखना। फिर तुम्हारे लिए जगत में कुछ भी दुर्लभ न होगा। मेरा एक और भी आशीर्वाद है कि तुम्हारी सर्वत्र अबाध गति होगी (अर्थात तुम जहाँ जाना चाहोगे, वहीं बिना रोक-टोक के जा सकोगे)॥ (क्रमशः....)

चुनाव में भाषा का संयम एवं वचनों की मर्यादा जरूरी

लोकसभा चुनावों जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, कई नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ़ आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क है। चुनावी रैलियों में जनता के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने चुनावी मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? चुनाव की तारीख तय होने एवं चुनावी पारा बढ़ने के बाद नेताओं के बयानों में तीखापन एवं हल्कापन आ गया है। एक तरफ गर्मी चुभन का अहसास करा रही है, तो दूसरी तरफ राजनीतिक हलकों में भाषायी अभद्रता एवं उच्छृंखलता घाव पर नमक छिड़क रही है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है।

नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रही है। राहुल गांधी की 'शक्ति के खिलाफ लड़ाई' संबंधी टिप्पणी 'शक्ति से जुड़े धार्मिक मूल्यों का अपमान करने और कुछ धार्मिक समुदाय' के तुष्टीकरण के लिए धर्मों के बीच शत्रुता पैदा करने के 'दुर्भावनापूर्ण इरादे' को दर्शाती है। प्रारंभ में लालूप्रसाद यादव का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परिवार विषयक आरोप भाजपा के लिये रामबाण औषधि बना है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत को लेकर किए पोस्ट में एक्ट्रेस की फोटो के साथ भद्दा कमेंट महिला-शक्ति का अपमान बना है। ईवीएम के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जा रही है और कहा जा रहा है कि तथ्यों के सत्यापन के बिना इस तरह का 'दुष्प्रचार और गलत सूचना' राष्ट्रीय अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए नुकसानदायक है। ईवीएम और निर्वाचन आयोग के बारे में भ्रामक टिप्पणी 'लोक अव्यवस्था पैदा करने के इरादे' से की गई हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव के चरण आगे बढ रहे हैं, विवादास्पद बयानों की झड़ी भी लगने लगी।

हमारे देश की राजनीति में संयमित भाषा एवं अनुशासित बोल-बयान एक महत्वपूर्ण अंग होती है। लोकतंत्र में उसी नेता का बोल-बाला होता है, जिसकी भाषा एवं वचनों पर पकड़ मजबूत होती है। आजादी के बाद देश में जिस प्रकार राजनीति में बदलाव आता गया, उसी प्रकार राजनेताओं की भाषा और आरोप-प्रत्यारोप की शैली भी बदलती गई। आज कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने विपक्षी राजनेता को 'पप्पू' जैसे शब्दों से ताना मारते हैं, तो कोई विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये चौकीदार चोर है या चायवाला जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्या हमारे देश की राजनीति में मर्यादा नाम का कोई शब्द बचा है? ऐसी अभद्र भाषा का उपयोग करने से पहले हमारे ये राजनेता जरा भी नहीं सोचते कि उसका उनकी पार्टी पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत ही सस्ते शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने तो नीच, कातिल जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया था जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो सूची काफी लंबी है। चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम और प्रियंका गांधी। आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने तो सारी हदें पार कर दी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने ईवीएम की निंदा 'चोर' के रूप में की थी। सभी ने मौका देखकर बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने करोड़ों समर्थकों के सामने इन शब्दों और उन्हें बोलने वालों के खिलाफ माहौल बना दिया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

मतदाताओं को आकर्षित एवं अपने पक्ष में करने के फेर में राजनीति को रसातल में धकेलने की मानो होड़ मची हुई है। क्षणिक रोमांच एवं तत्काल चुनावी लाभ के लिए मर्यादा को तार-तार करने वाले इन नेताओं को आत्म-चिंतन की सख्त जरूरत है। मर्यादित भाषा में विभिन्न दलों और नेताओं की आलोचना इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है। भाषा की मर्यादा और वाणी में संयम भारत के लोकतंत्र का आधार है। बेलगाम भाषा से क्षणिक प्रचार और सुर्खियां बटोरना सम्भव है लेकिन अतीत में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जो ये दर्शाते हैं कि ऐसे नेताओं को जनता भी कुछ समय बाद ही भूल जाती है। नेताओं को हर हालत में भाषा की मर्यादा एवं शालीनता को बनाए रखना चाहिए। भले ही चुनाव का वक्त आसमान से तारे तोड़ लाने के वायदे करने का वक्त है और खामियों को दबाने और उपलब्धियों के बखान का वक्त है। लेकिन यह सब करते हुए भाषा की शालीनता एवं कड़वे बोल से बचने की जरूरत है।

यह वक्त मतदाता के जागने एवं विवेक से मतदान करने का भी है। वह अच्छे-बुरे का फर्क करके तार्किक आधार पर अपने बेशकीमती मत का उपयोग करे। विडंबना ही है कि अमृतकाल से गुजरते देश में मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग विष और अमृत के भेद को पूरी तरह महसूस नहीं कर पाया है। नेताओं के गलत, बेबुनियाद एवं तथ्यहीन बयानों कर सत्यता को जाने बिना उन पर विश्वास कर मतदाता लोकतंत्र को कमजोर करता है। भारतीय राजनीति में दागियों का दखल और धनबल का बढ़ता वर्चस्व यही बताता है कि हमारा मतदाता इन संवेदनशील मुद्दों के प्रति जागरूक नहीं हो पाया है। निश्चित रूप से मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो वोट डालने घर से नहीं निकलता। जो बड़ा तबका निकलता भी है वह भी धर्म, जाति, क्षेत्र और धनबल से रचे सम्मोहन से मुक्त नहीं हो पाता।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राशिफल

चैत्र कृष्ण : चतुर्थी (विक्रम संवत् 2080)

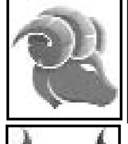
मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान दोनों ही लाभप्रद रास्ते में चल पड़े हैं।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो) भाग्य साथ देगा। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। यात्रा में लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान अच्छा।

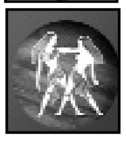
मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा) परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य में ध्यान दें।

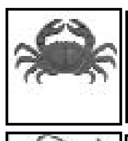
कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा) नवप्रेम का अवसर मिलेगा। शादी-ब्याह तय हो सकता है। नौकरी-चाकरी की स्थिति सुदृढ़ होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे) शत्रु भी मित्र बनने की कोशिश करेंगे। प्रेम,संतान का साथ होगा। व्यापार अच्छा होगा। स्वास्थ्य थोड़ा सा नरम-गरम।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं- मैं का संकेत है। भावुक होकर कोई निर्णय मत लीजिएगा।

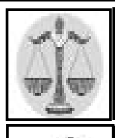
तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त) भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी संभव है। घर में कुछ उत्सव संभव है, लेकिन गृह-कलह भी दिख रही है। स्वास्थ्य अच्छा।

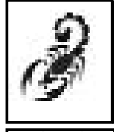
वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू) व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। भाई-बहन साथ देंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान अच्छा।

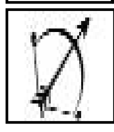
धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे) धन आगमन होगा। कुटुंब में वृद्धि होगी। अपनों का साथ होगा। प्रेम, संतान, व्यापार सबकुछ बहुत अच्छा। स्वास्थ्य में सुधार।

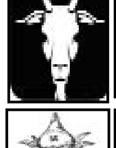
मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी) सितारों की तरह चमकेंगे। जरुरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी। जो चाहेंगे वो करेंगे। प्रेम, संतान साथ।

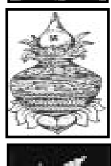
कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द) खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान ठीक-ठाक।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि) रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य में सुधार।

सेक्टर-142 शहदरा में भाकियू (बलराज) का धरना आज भी जारी रहा।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने प्रस्तुत किया रंगारंग कार्यक्रम

मिर्जापुर। नगर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मझिगवाँ के प्रांगण में गुरुवार को वार्षिकोत्सव , विदाई समारोह एवं निपुण छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथिगण के रूप में रामप्रकाश दूबे, सुरेन्द्र राय, नवीन चन्द्र उपाध्याय, कुश दूबे, घनश्याम, राजू ,श्रीमती कल्पना तिवारी, प्रमेश कुमार, राकेश कुमार, रंजना कुमारी, श्रीमती शिमला देवी, सुक्खन राम आदि उपस्थित रहें।

बच्चों ने मनमोहक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया। निपुण छात्र, छात्राओं को पुरस्कार दिया गया और कक्षा 5 के बच्चों को स्मृति पुरस्कार देकर उनकी विदाई की गयी। कार्यक्रम का संचालन सहायक अध्यापिका श्रीमती नन्दिनी वर्मा ने किया। अंत में प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र कुमार ने आभार प्रकट कर कार्यक्रम का समापन किया।

किसान एकता संघ ने सौंपा ज्ञापन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन को लेकर कल किसान एकता संघ के बैनर तले ग्रामीणों ने एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी बाली सिंह,रमेश कसाना,पंडित प्रमोद शर्मा,राजेंद्र चौहान सतीश कनारसी,पप्पे नागर, विक्रम नागर अमित अवाना, अर्जुन प्रजापति,कमल यादव,सचिन अंबावता,संग्राम चौहान राहुल चौहान,चित्र सिंह,पवन प्रजापति,चमन सिंह टीकम सिंह राहुल चौहान, नैन सिंह चौहान,अजीत चौहान,चरण सिंह चौहान,संजय प्रधान,रामपत यादव, श्यामलाल शर्मा,मुकेश अजीत, तेज चिल्ली शर्मा,मदन चौहान चैन सिंह चौहान सहित आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर भाजपा की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य ने बताया कि भाजपा लोकसभा के संयोजक प्रणीत भाटी एवं जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भाजपा लोकसभा क्षेत्र प्रबुद्ध सम्मेलन जिसमे मुख्यअतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे को लेकर एक बैठक हुई। कार्यक्रम स्थल की तैयारी को लेकर निरीक्षण किया गया।

भाजपा के जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि प्रबुद्ध सम्मेलन में बड़ी संख्या में डॉक्टर इंजीनियर पत्रकार अधिवक्ता प्रोफ़ेसर शिक्षक आदि मुख्यमंत्री योगी के उद्बोधन को सुनेंगे इस अवसर पर मुख्यरूप से जिला उपाध्यक्ष सेवानन्द शर्मा अभिषेक शर्मा मण्डल अध्यक्ष दिनेश भाटी इंदरजीत टाइगर आदि कार्यकर्ता एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

कोवे इंडिया-यूपी सिडबी के सहयोग से 100 महिलाओं को देगा प्रशिक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। कन्फेडरेशन ऑफ विमन एंटरप्राइज (COWE INDIA-UP) ने महिलाओं के लिए फैशन कढ़ाई एवं सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बृहस्पतिवार से अगले 30 दिनों तक आईएमएस-डीआईए के फैकल्टी 100 संसाधनहीन महिलाओं को उद्यमशीलता एवं कौशल विकास का प्रशिक्षण देंगे। इस कार्यक्रम में आईएमएस-डीआईए नॉलेज पार्टनर के तौर पर कोवे इंडिया-यूपी की सहायता करेगा। वहीं सेक्टर 62 स्थित आईएमएस-डीआईए परिसर में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के सहयोग से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान परिसर में आयोजित आज के कार्यक्रम के दौरान बतौर अतिथि सिडबी के जीएम मनीष सिन्हा, कोवे इंडिया-यूपी की अध्यक्ष मीतू पुरी के साथ आईएमएस-डीआईए की चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर शिल्पी गुप्ता ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

कार्यक्रम के दौरान, सिडबी के जीएम मनीष सिन्हा ने कहा कि सशक्त महिला के के बिना सशक्त समाज की कल्पना नहीं की जा सकती।

सेक्टर 62 स्थित आईएमएस - डीआईए परिसर में आयोजित कारीगरी के दौरान संस्थान की सीएमडी शिल्पी गुप्ता ने कहा कि देश की प्रत्येक महिला में आत्मनिर्भर और सशक्त बनने की क्षमता है।

राहुल अवाना के पैरोकारों में मायूसी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी रहे राहुल अवाना का कल टिकट कटते ही उनके पैरोंकारों में मायूसी छा गई।

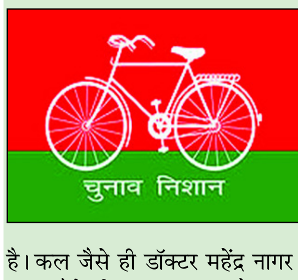

सर्वविदित है कि कल राहुल अवाना का टिकट सपा का शीर्ष नेतृत्व काटकर डॉ महेंद्र नागर को दोबारा से प्रत्याशी घोषित किया है। कल जैसे ही डॉक्टर महेंद्र नागर को प्रत्याशी घोषित किया गया। वैसे ही राहुल अवाना के समर्थकों में मायूसी छा गई।

सूत्र बताते हैं कि राहुल अवाना की पैरोकारी करने वालों में एक सपा युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा एक अन्य सपा नेता मजबूती के साथ लगे हुए थे। लेकिन जब सपा का एक धड़ा डॉ. महेंद्र नागर के समर्थन में खड़ा हुआ तो इन पैरोंकारों की एक नहीं चली और अंत में महेंद्र नागर की जीत हुई। अब लोकसभा चुनाव में राहुल अवाना के पैरोंकारो की क्या भूमिका होगी उस पर भी सपा के बड़े नेताओं की नजर बनी हुई है। क्योंकि आपसी गुटबाजी समाजवादी पार्टी में थमने का नाम नहीं ले रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना
सं0 18/2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **क्र.सं. : 1. कार्य का विवरण** : इज्जतनगर मण्डल के वरि. मंण्डल इंजीनियर/।। के अनुभाग में समपार पर 05 लिमिटेड हाइट सबवे के निर्माण के स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत समपार संख्या 60 और 107 पर 02 नग लिमिटेड हाइट सबवे का निर्माण कार्य। **अनुमानित लागत रूपयो में** : रू. 12,47,58,605.78 **बयाना राशि रूपयो में** : रू. 7,73,800.00/- निविदा प्रपत्र का मूल्य. **शून्य** स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि **15 माह क्र. सं. : 2 कार्य का विवरण** : इज्जतनगर मण्डल के वरि. मंण्डल इंजीनियर /।। के अनुभाग में समपार पर 05 लिमिटेड हाइट सबवे के निर्माण के स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत समपार संख्या 37 और 43 पर 02 नग लिमिटेड हाइट सबवे का निर्माण कार्य। **अनुमानित लागत रूपयो में** : रू.12,47,58,605.78 **बयाना राशि रूपयो में** : रू.7,73,800.00/- निविदा प्रपत्र का मूल्य. **शून्य** स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि **15 माह 1.** ई- निविदा दिनांक 24.04.2024 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। **2.** ई- निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) इज्जतनगर

मुजाधि/डबलू-603

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

होली विशेष रेलगाड़ियों का विस्तार

होली के उपरान्त यात्रियों की अधिक संख्या को देखते हुए रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली विशेष रेलगाड़ियों की सेवा अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

रेलगाड़ी संख्या	से	तक	फ्रीक्वेंसी	प्रस्थान के दिन	पूर्व अधिसूचित	विस्तारित तिथि से	विस्तारित तिथि तक
02365	राजगीर	आनन्द विहार (ट)	साप्ताहिक	मंगलवार	30.03.24	02.04.24 को	
02366	आनन्द विहार (ट)	राजगीर		बुधवार	31.03.24	03.04.24 को	
03255	पटना जं.	आनन्द विहार (ट)	सप्ताह में दो दिन	रविवार, गुरूवार	31.03.24	04.04.24	07.04.24
03256	आनन्द विहार (ट)	पटना जं.		सोमवार, शुक्रवार	01.04.24	05.04.24	08.04.24
02391	पटना जं.	आनन्द विहार (ट)	साप्ताहिक	शनिवार	30.03.24	06.04.24 को	
02392	आनन्द विहार (ट)	पटना जं.		रविवार	31.03.24	07.04.24 को	
03635	गया	आनन्द विहार (ट)	सप्ताह में तीन दिन	सोम, बुध, शुक्र	29.03.24	01.04.24	10.04.24
03636	आनन्द विहार (ट)	गया		मंगल, गुरू, शनि	30.03.24	02.04.24	11.04.24
03227	आरा	आनन्द विहार (ट)	साप्ताहिक	बुधवार	29.03.24	03.04.24	10.04.24
03228	आनन्द विहार (ट)	आरा		गुरूवार	30.03.24	04.04.24	11.04.24
02351	पटना जं.	आनन्द विहार (ट)	सप्ताह में तीन दिन	बुध, शुक्र, रवि	31.03.24	03.04.24	10.04.24
02352	आनन्द विहार (ट)	पटना जं.		गुरू, शनि, सोम	01.04.24	04.04.24	11.04.24
03257	दानापुर	आनन्द विहार (ट)	साप्ताहिक	रविवार	31.03.24	07.04.24 को	
03258	आनन्द विहार (ट)	दानापुर		सोमवार	01.04.24	08.04.24 को	
05565	सहरसा जं.	सरहिंद	साप्ताहिक	गुरूवार	28.03.24	04.04.24 को	
05566	सरहिंद	सहरसा जं.		शनिवार	30.03.24	06.04.24 को	
05531	रक्सौल जं.	आनन्द विहार (ट)	साप्ताहिक	रविवार	31.03.24	07.04.24 को	
05532	आनन्द विहार (ट)	रक्सौल जं.		सोमवार	01.04.24	08.04.24 को	

नोट : 1. 02365/02366 राजगीर-आनन्द विहार (ट)-राजगीर सप्ताह में दो दिन के बजाए सप्ताह में एक दिन चलेगी।
2. 03227/03228 आरा - आनन्द विहार (ट) - आरा सप्ताह में तीन दिन के बजाए सप्ताह में एक दिन चलेगी।

• अन्य विवरण पूर्ववत रहेंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें ।

रेलमदद वेबसाइट : www.railmadad.indianrailways.gov.in देखें एवं रेलमदद ऐप डाउनलोड करें।

945/24 | रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 | पर हमें फॉलो करें | आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

RCB Vs KKR

जीत की लय बरकरार रखने उतरेंगे RCB और KKR

बेंगलुरु की प्लेइंग 11 में बदलाव की संभावना ! स्टार खिलाड़ी का पत्ता कटने के आसार

बेंगलुरु। आईपीएल 2024 का 10वां मुकाबला बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच को लेकर बेंगलुरु के फैंस में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। मैच आरसीबी के होम ग्राउंड पर होने से फैंस और अधिक उत्साहित हैं। इस मैच में आरसीबी को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलना है, जिससे बेंगलुरु के एक स्टार खिलाड़ी का पत्ता कटना तय माना जा रहा है। खिलाड़ी मौका मिलने के बावजूद अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा। ऐसे में कोलकाता के खिलाफ खिलाड़ी का बाहर जाना तय माना जा रहा है।

दोनों टीमों की सबसे बड़ी टेंशन

- दोनों ही टीम के पास एक से बढ़कर एक खिलाड़ी मौजूद हैं। हालांकि, इसके बावजूद दोनों टीमों की शीर्ष और मध्यक्रम की बल्लेबाजी की समस्याएं बनी हुई हैं। पंजाब के खिलाफ विराट कोहली के फॉर्म में वापिस आने से आरसीबी को बड़ी राहत जरुर मिली है, लेकिन कैमरून ग्रीन, रजत पाटीदार और ग्लेन मैक्सवेल की खराब फॉर्म टीम के लिए बड़ी चिंता का सबब बनी हुई है। दूसरी ओर केकेआर के लिए वेंकटेश अय्यर, श्रेयस अय्यर और नितीश राणा की खराब बल्लेबाजी शुभ संकेत नहीं है। हालांकि केकेआर ने सीजन का अब तक एक मैच खेला है। जिसके चलते टीम के ये खिलाड़ी इस दूसरे मुकाबले में अपनी पुरानी लय हासिल कर सकते हैं।

अगले मैच से किसका कटेगा पत्ता

- आरसीबी को आईपीएल 2024 के दूसरे मुकाबले में जीत मिली थी, लेकिन फिर भी बेंगलुरु अगले मैच में खिलाड़ी को खिलाने की रिस्क नहीं ले सकती है। बता दें कि बेंगलुरु का दूसरा मुकाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ हुआ, जिसे आरसीबी ने 4 विकेट से अपने नाम कर लिया था। बेंगलुरु की इस मैच में भी हार होनी पक्की लग रही थी, लेकिन आखिरी में दिनेश कार्तिक और महिपाल लोमरोर की तूफानी पारी के कारण आरसीबी ने मैच अपने नाम कर लिया था। ऐसे में बेंगलुरु अच्छी तरह समझ पा रही है कि अगर उन्हें अगला मुकाबला जीतना है, तो टीम में बदला काफी जरूरी है।

खिलाड़ी के प्रदर्शन से निराश

- आईपीएल 2024 के लिए हुए ऑक्शन में बेंगलुरु ने जोसेफ को 11.5 करोड़ रुपए देकर अपनी टीम में शामिल किया था। टीम ने खिलाड़ी पर खूब भरोसा जताया था, लेकिन वह अभी तक उम्मीद अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने पहले मुकाबले में चेन्नई के खिलाफ 3.4 ओवर में 38 रन लुटाए थे। इस मैच में खिलाड़ी एक भी विकेट नहीं ले सके थे। इसके बाद पंजाब के खिलाफ दूसरे मुकाबले में जोसेफ ने 4 ओवर में 43 रन लुटाए थे। ऐसे में अगले मुकाबले से खिलाड़ी को बाहर करना तय माना जा रहा है।

किसकी होगी आरसीबी में एंट्री

- रफ्तार के सौदागर कहे जाने वाले न्यूजीलैंड के घातक गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी आरसीबी टीम के हिस्सा हैं। पहले 2 मुकाबले में उन्हें नहीं खिलाया गया है, लेकिन जोसेफ ने जिस कदर अपने प्रदर्शन से टीम को निराश किया है, अगले मुकाबले में जोसेफ की जगह लॉकी फर्ग्यूसन की वापसी लगभग तय मानी जा रही है।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

- RCB और KKR के बीच आईपीएल इतिहास में अब तक 32 मैच खेले गए हैं। इन मुकाबलों में 14 मैच आरसीबी जीतने में सफल रही है। जबकि केकेआर की झोली में 18 जीत आ चुकी हैं। पिछले सीजन दोनों टीमों के बीच कुल 2 मुकाबले खेले गए थे, जिसमें दोनों ही मैच को श्रेयस की अगुआई वाली टीम जीतने में सफल रही थी।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11

कोलकाता नाइट राइडर्स: फिलिप साल्ट (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, श्रेयस अय्यर (कप्तान), नितीश राणा, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, मिचेल स्टार्क, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, रजत पाटीदार, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), अनुज रावत, कर्ण शर्मा, लॉकी फर्ग्यूसन, मयंक डागर और मोहम्मद सिराज.

दोनों टीमों का फुल स्क्वॉड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्जारी जोसफ, यश दयाल, टॉम करन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

कोलकाता नाइट राइडर्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), नीतिश राणा, मनीष पांडे, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, शाकिब अल हसन, अनुकूल रॉय, वेंकटेश अय्यर, शेरफाने रदरफोर्ड, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, केएस भरत, फिल साल्ट, रहमानुल्लाह गुरबाज, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, दुष्मंता चामीरा, वरूण चक्रवर्ती, मिचेल स्टार्क, मुजीब उर रहमान, हर्षित राणा, सुयश शर्मा।

हैदराबाद-मुंबई मैच में लगे 38 छक्के

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच बुधवार को रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच हार्दिक पांड्या की टीम को 31 रन से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में तमाम रिकॉर्ड्स बने। पैट कमिंस की अगुवाई में टीम ने आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। 20 ओवर में टीम ने तीन विकेट गंवाकर 277 रन बनाए। इस मामले में उन्होंने 11 साल पुराना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मुंबई इंडियंस इस लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रही।

एक आईपीएल मैच में सर्वाधिक छक्के

38	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम मुंबई इंडियंस, हैदराबाद, 2024
33	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम चेन्नई सुपर किंग्स, बेंगलुरु, 2018
33	राजस्थान रॉयल्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स, शारजाह, 2020
33	राजस्थान रॉयल्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स, बेंगलुरु, 2023

आईपीएल में सबसे बड़ा टीम स्कोर

277/3	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम मुंबई इंडियंस, हैदराबाद, 2024
263/5	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम पुणे वॉरियर्स, बेंगलुरु, 2013
257/5	लखनऊ सुपर जाएंट्स बनाम पंजाब किंग्स, मोहाली, 2023
248/3	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात लायंस, बेंगलुरु, 2016
246/5	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई, 2010
246/5	मुंबई इंडियंस बनाम सनराइजर्स हैदराबाद, हैदराबाद, 2024

आईपीएल 2024 के तहत खेले गए इस मुकाबले में ताबड़तोड़ चौकों और छक्कों की बरसात हुई। दोनों पारियों में कुल 69 बाउंड्री लगी। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स मैच में इतनी ही बाउंड्री लगी थीं। यह मुकाबला चेन्नई में साल 2010 में खेला गया था।

एक आईपीएल मैच में सर्वाधिक बाउंड्री संख्या (4s+6s)

69	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई, 2010
69	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम मुंबई इंडियंस, हैदराबाद, 2024
67	पंजाब किंग्स बनाम लखनऊ सुपर जाएंट्स, लखनऊ, 2023
67	पंजाब किंग्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स, इंदौर, 2018
65	डेक्कन चार्जर्स बनाम राजस्थान रॉयल्स, हैदराबाद, 2008

सनराइजर्स हैदराबाद बनाम मुंबई इंडियंस मैच में भले ही हार्दिक पांड्या की टीम को करारी शिकस्त मिली, लेकिन टीम ने एक पारी में हैदराबाद से अधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दरअसल, हैदराबाद की पारी के दौरान कुल 18 छक्के लगे जबकि मुंबई के बल्लेबाजों ने 20 छक्के मारे। इस मामले में शीर्ष पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का नाम दर्ज है जिसने साल 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 21 छक्के लगाए थे।

सुनील नरेन की गेंदबाजी पर सवालिया निशान

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 जारी है और टूर्नामेंट के दूसरे दिन ही केकेआर ने रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 4 रन से मात दी थी। उस मुकाबले में आंद्रे रसेल का तूफान बल्ले और गेंद दोनों से देखने को मिला था। इसके अलावा गौतम गंभीर के टीम में बतौर मेंटोर जुड़ने से नई ऊर्जा टीम को मिली थी। यही कारण था कि टीम ने जीत से आगाज किया। पर उस मैच के दौरान टीम के एक अहम विदेशी खिलाड़ी के गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठने लगे। वो गेंदबाज कोई और नहीं बल्कि सुनील नरेन थे। उनके ऊपर चक करने के आरोप लगे। इसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। चक गेंदबाजी के तरीके को कहते हैं। पेसर हो या स्पिनर, गेंदबाजी के दौरान उनकी कोहनी 15 डिग्री से ज्यादा के एंगल पर नहीं मुड़ सकती है।

राजस्थान ने दिल्ली को दिया 186 का लक्ष्य

जयपुर। आईपीएल 2024 का नौवां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जा रहा है। राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 186 रन का लक्ष्य थमाया है। इस मैच में रियान पराग ने दमदार प्रदर्शन किया है। आखिरी ओवर में इस बल्लेबाज ने एनरिक नॉर्खिया को निशाना बनाया और 25 रन बटोरे।

पृष्ठ एक के शेष....

आयकर विभाग ने कांग्रेस पर ....

चुनौती दी गई थी. इसमें आयकर विभाग का कहना था कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री यह दिखाने के लिए पर्याप्त है कि पार्टी की बची हुई आय 520 करोड़ रुपए से अधिक है.

दिल्ली हाईकोर्ट ने इससे पहले तीन साल के लिए आयकर विभाग की टैक्स पुनर्मूल्यांकन प्रोसिडिंग के खिलाफ याचिका खारिज की थी. कांग्रेस ने पुनर्मूल्यांकन कार्रवाई का विरोध किया था. कांग्रेस के वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा था कि कर पुनर्मूल्यांकन कार्रवाई पर समयसीमा लागू होती है. आयकर विभाग ज्यादा से ज्यादा छह मूल्यांकन वर्षों तक ही किया जा सकता है. पुनर्मूल्यांकन प्रोसिडिंग आयकर कानून के प्रावधानों के विपरीत की जा रही है.।

भारत को छेड़ोगे तो....

मगर मैं आपके चैनल के माध्यम से देश को आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत की प्रतिष्ठा पर और भारत की आन-बान-शान पर कोई माई का लाल प्रश्नचिन्ह नहीं लगा सकता है और न ही भारत को चुनौती दे सकता है'।

राजनाथ ने आगे कहा कि भारत अब कमजोर नहीं रहा है, वो ताकतवर हो चुका है. हालांकि, मैं पूरे विश्वास से कह सकता हूं कि जिस तरह से हमारे जवानों ने अपने शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है। उन्होंने कहा कि अभी दोनों पक्षों के बीच बातचीत भी चल रही है. कुछ प्वाइंट्स पर संघर्ष के समय वो आगे आ जाते हैं और कुछ पर हम. मैं देशवासियों से कहना चाहता हूं कि भारत पराजित नहीं हुआ है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष के जरिए सेना के पराक्रम पर उठाए जाने वाले सवालों को लेकर भी दुख जाहिर किया. उन्होंने कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ होती है, जब विपक्ष सेना के जवानों के पराक्रम पर सवाल उठाता है। हमारे नेताओं ने कभी 1962 को लेकर कांग्रेस पर आरोप नहीं लगाया। मेरी तरफ से भी ऐसा नहीं किया गया है। सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर हमारे नेता अटल बिहारी वाजपेयी हमेशा सरकार के साथ रहे हैं।'

लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 21 दिनों तक भूख हड़ताल की. इस दौरान उन्होंने दावा किया कि चीनी सैनिक चरवाहों को उन इलाकों में जाने से रोक रहे हैं, जहां वह पहले जाया करते थे। इस संबंध में जब रक्षा मंत्री से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि ये सिलसिला 40-45 सालों से चला आ रहा है। कभी वो हमारे लोगों को रोकते हैं, तो कभी हमारे सैनिक उनके लोगों को. ऐसा नहीं है कि ये हमारी सरकार के आने के साथ शुरू हुआ है।

सपा के प्रदेश सचिव बने....

स्वर्गीय रघुवर यादव ग्राम गढ़ी के कई बार प्रधान रहे थे। स्वर्गीय रघुवर यादव ने शिक्षा के क्षेत्र में भी खासा कार्य किया था। उन्होंने वर्ष 1962 में गढ़ी चौखंडी गांव में स्थित श्री कृष्ण इंटर कॉलेज को 8 बीघा जमीन दान में दी थी। वह श्री कृष्ण शिक्षा समिति के संस्थापक, आजीवन सदस्य वह अध्यक्ष भी रहे थे। इस कॉलेज में आज हजारों बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

भरत यादव प्रधान समाजवादी पार्टी के गठन के समय से ही पार्टी से जुड़े हुए हैं। पार्टी के प्रति उनके निष्ठा को देखते हुए वर्ष 1995 में समाजवादी छात्र सभा के नवनिर्माण के बाद वह जनपद गाजियाबाद के पहले अध्यक्ष बनाए गए थे। वर्ष 2007 में उन्हें सपा युवजन सभा का प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया था।

राजनीति के साथ-साथ भरत यादव प्रधान शिक्षा के क्षेत्र में भी अलख जगा रहे हैं। अपने पिता के पद चिन्हों पर चलते हुए उन्होंने उन्होंने वर्ष 1999 में नोएडा इंटरनेशनल स्कूल की स्थापना की थी। इस स्कूल में आज हजारों बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को स्कूल द्वारा अनुदान भी दिया जाता है। भरत यादव प्रधान की क्षेत्र में लोकप्रिय व ईमानदार नेता के रूप में अपनी एक अलग ही छवि है। उन्हें प्रदेश सचिव बनाए जाने पर उनके समर्थकों में खासा उत्साह है प्रदेश सचिव बनाए जाने पर श्री यादव को बधाईयो का ताता लगा हुआ है।

कैशियर ने कंपनी के खाते से ....

हेरा फेरी हुई है। कैशियर होने के नाते उन्होंने सुखविंदर से पूछताछ की को उसने कबूल किया कि उसने कंपनी से 10 लाख 50000 रूपये की हेरा फेरी की थी। उसने कंपनी के पैसे अपने तथा अपने पिता के खाते में डिजिटल ट्रांसफर कर लिए थे। सुखविंदर सिंह ने अपनी गलती मानते हुए कंपनी के पैसे वापस लौटने का आश्वासन दिया इसके लिए उसने कंपनी को दो चेक जारी किए। चेक देने के बावजूद भी सुखविंदर कंपनी के पैसे वापस नहीं लौट रहा है। कई बार पैसे वापस मांगे गए लेकिन उसने देने से साफ इंकार कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर थाना सेक्टर-126 पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फर्जी बैनामा करा कर ...

जाली व कूटरचित दस्तावेज तैयार करके पहले फर्जी परमेश्वरी देवी के नाम से अपने नाम फर्जी बैनामा कराए और उसके बाद धोखाधड़ी करते हुए उनके नाम पर प्लाट का बैनामा कर दिया। आरोपियों ने उनके पिता, चाचा व कई रिश्तेदारों से भी प्लाट बेचने के नाम पर धोखाधड़ी से करोड़ों रुपए ठग लिए हैं। पीड़ित की शिकायत पर अनादिल विकी मोहम्मद फिरोज श्रीमती चमन देवी मनीराम अमित राजपूत फुरकान वसीम रोहित वर्मा बबी ठाकुर परमेश्वरी देवी आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

ऐप के जरिए 89 ...

प्रतिनिधि बताते हुए उनके मोबाइल में एक ऐप इंस्टॉल करवाया। ऐप के इंस्टॉल करते ही उनके अकाउंट से 89158 निकल गए। उन्होंने जब उत्तर नंबर पर बात करने का प्रयास किया तो वह स्विच ऑफ मिला। ठगे जाने का एहसास होने पर उन्होंने साइबर हेल्पलाइन पर इसकी शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित की शिकायत पर थाना एक्सप्रेस में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

युवक पर जानलेवा हमला...

अपने घर जा रहा था। छपरौली गांव के पास सेंट्रो कार व पांच बाईकों पर सवार युवकों ने उसकी बाइक को ओवरटेक कर रुकवा लिया।

कार व बाइक से उतरे मनीष चपराना, अभिषेक चपराना, शाका, रोहित गुर्जर, बबी चपराना, प्रिंस चपराना, अभी चपराना, सुमित गुर्जर व अज्ञात लोगों ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। उसने जब इस बात का विरोध किया तो अभिषेक चपराना ने तमंचे की बट मारकर उसे घायल कर दिया।

इस दौरान मनीष चपराना व अन्य लोगों ने लोहे की रॉड व लाठी डंडों से उसकी पिटाई कर उसे लहू लुहान कर दिया। झगड़ा होता देख आस पड़ोस के लोग मौके पर पहुंच गए। इसके बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। झगड़े की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

युवती व युवक ने ....

वहीं थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के छपरौली गांव में किराए पर रहने वाले जसपाल पुत्र ओमपाल ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मूल रूप से जनपद बिजनौर का रहने वाला जसपाल अपनी पत्नी और 4 बच्चों के साथ छपरौली गांव में किराए पर रह रहा था। आज सुबह जसपाल की पत्नी जब सोकर उठी तो उसे वह फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह की बात सामने आ रही है।

भाजपा के विरोध में किसान लामबंद : अजय

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (पथिक)

के प्रदेश अध्यक्ष अजय पहलवान ने जारी अपने बयान में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी का इस बार लोकसभा चुनाव में पूरी तरह से सफाया हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा से किसानों के साथ अन्याय करने का काम किया है। इस बार पूरे देश के किसान लामबंद होकर भाजपा के विरोध में खड़े हैं। अजय पहलवान ने कहा कि भाजपा की कथनी एवं करनी में अंतर है।

आज गौतमबुद्धनगर के किसान काफी परेशान है। उन्होंने कहा कि यहां के किसान हर रोज अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कोई विचार नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब-जब चुनाव आता है तब तक भाजपा वोट लेने के लिए किसानों को बहकाने के काम में लग जाती है। उन्होंने कहा कि अबकी बार भारतीय जनता पार्टी के विरोध में पूरे देश के किसान लामबंद है।

जनपद में डेरा डाले है व्यय प्रेक्षक व उनकी टीम

नोएडा (चेतना मंच)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद गौतमबुद्ध नगर के लिए व्यय प्रेक्षक के रूप में सृष्टि चौधरी (आर-35480) एवं राजराजेश्वरी (आर-35389) को नियुक्त किया गया है, जिनका जनपद गौतमबुद्धनगर में आगमन हो चुका है।

जनसामान्य द्वारा व्यय प्रेक्षक से सुझाव/शिकायत के लिए ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित इन्टरनेशनल गेस्ट हाउस के कक्ष संख्या-103 में प्रतिदिन सांय 06 से 07 बजे तक सम्पर्क किया जा सकता है अथवा मा0 व्यय प्रेक्षक सृष्टि चौधरी मोबाइल नंबर 9289342239, 9953302263, लाइजन अधिकारी दीपक कुमार मोबाइल नंबर- 8299650050 एवं मा0 व्यय प्रेक्षक राजराजेश्वरी, मोबाइल नंबर 9205617698, 9809042207, लाइजन अधिकारी यशवंत कुमार सिंह 9235930156 के मोबाइल नंबर पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सार्वजनिक सूचना

मैं अजय कुमार पुत्र श्री विजयपाल सिंह निवासी-260/10 हनुमानपुर, दादरी, जनपद- गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि अजय कुमार तथा अजय दोनों ही मेरे नाम हैं। ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम अजय लिखा है तथा आधार कार्ड में अजय कुमार। दोनों ही मेरे नाम हैं। इसलिए भविष्य में मुझे दोनों ही नाम से जाना जाए।

चुनाव तक अधिकारी व कर्मचारी जनपद से कार्यमुक्त नहीं होंगे : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समस्त कार्यालयाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने तक किसी भी अधिकारी व कर्मचारी को जनपद से कार्यमुक्त न किया जाए। उन्होंने कहा कि संज्ञान में लाया गया है कि जनपद में स्थापित भारत सरकार/राज्य सरकार एवं अन्य संस्थानों के कार्यालयों में कार्यरत कतिपय अधिकारियों/ कर्मचारियों का स्थानांतरण होने के फलस्वरूप उन्हें कार्यमुक्त किये जाने का अनुरोध किया जा रहा है, जिनकी ड्यूटी लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 के अन्तर्गत लगायी गयी तथा लगायी जा सकती है।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से समस्त कार्यालयाध्यक्ष के द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की प्रकिया पूर्ण रूप से समाप्त होने तक ऐसे किसी भी अधिकारी/कर्मचारी को जनपद से कार्यमुक्त न किया जाय, ताकि लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 के कार्य प्रभावित न हो।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

वरुण ने टिकट कटने के बाद पीलीभीत के नाम लिखा भावुक संदेश

–मेरा आपसे रिश्ता प्रेम और विश्वास का, मैं आपका था, हूं और रहूँगा

नई दिल्ली। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में कई नए चेहरे तो कई सांसदों को दोबारा भी टिकट दिया है, लेकिन उत्तरप्रदेश के पीलीभीत सीट से इस बार उन्होंने वरुण गांधी का टिकट काट कर जितिन प्रसाद को मैदान में उतारा है, जिससे वरुण गांधी अपनी पार्टी से काफी नाराज हैं। बुधवार को नामांकन की आखिरी तारीख खत्म होने के बाद अब वरुण ने पीलीभीत की जनता के नाम एक भावुक संदेश लिखा है। वरुण गांधी ने पत्र में लिखा- मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे वर्षों पीलीभीत की जनता की सेवा करने का मौका मिला। एक सांसद के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक व्यक्ति के तौर पर भी मेरी परवरिश और मेरे विकास में पीलीभीत से मिले आदर्श, सरलता और सहृदयता का बहुत बड़ा योगदान है। आपका प्रतिनिधि होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैंने हमेशा आपके हितों के लिए आवाज उठाई है। पत्र में वरुण ने आगे लिखा-एक सांसद के तौर पर मेरा कार्यकाल भले खत्म हो रहा हो, पर पीलीभीत से मेरा रिश्ता अंतिम सांस तक खत्म नहीं होगा। सांसद के रूप में नहीं, तो बेटे के तौर पर सही, मेरा पूरा जीवन आपकी सेवा के लिए है और मेरे दरवाजे आपके लिये हमेशा खुले रहेंगे। वरुण ने कहा कि मैं राजनीति में आम आदमी की आवाज उठाने आया था और आज आपसे यही आशीर्वाद मांगता हूँ कि मैं हमेशा यह कार्य करता रहूं, भले ही उसकी कोई भी कीमत चुकानी पड़े। मेरा और पीलीभीत का रिश्ता प्रेम और विश्वास का है, मैं आपका था, हूं और रहूँगा। वरुण गांधी ने अपने पत्र में अपनी मां मेनका गांधी का भी जिक्र किया उन्होंने कहा कि अनगिनत यादों ने मुझे भावुक कर दिया है। मुझे वो 3 साल का छोटा सा बच्चा याद आ रहा है जो अपनी मां की उँगली पकड़ कर 1983 में पहली बार पीलीभीत आया था, उसे कहां पता था एक दिन यह धरती उसकी कर्मभूमि और यहां के लोग उसका परिवार बन जाएंगे।

सीएम केजरीवाल की पत्नी के रिश्तेदारों के यहां ईडी का छापा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच ईडी लगातार छापेमारी कर रही है। अभी हाल ही में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि अब ईडी ने केजरीवाल की पत्नी के रिश्तेदारों के घर पर भी छापमार कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के रिश्तेदार एसपी गुप्ता के घर पर 26 मार्च को सुबह 8 बजे से 27 मार्च शाम 6 बजे तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मारा। एसपी गुप्ता का घर दिल्ली के सुंदर नगर इलाके में है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, ईडी ने फेमा के एक पुराने मामले में गुप्ता के घर पर छापा मारा है लेकिन ईडी को वहां क्या मिला इसकी जानकारी नहीं लग पाई है।

नींबू को खरीदने की होड़ : 2 लाख 36 हजार में बिके 9 नींबू

चैन्नई। वैसे तो नींबू 5-10 रुपए में आसानी से मिल जाते हैं लेकिन इन निंबुओं की कीमत सुनकर आपको आश्चर्य होगा। यहां 9 नींबू 2 लाख 36 हजार में बिके हैं। वार्षिक पंगुनी उथिरम उत्सव के दौरान विल्लुपुरम के तिरुवनैनल्लूर गांव में दो पहाड़ियों के संगम पर स्थित एक छोटे से मंदिर में सैकड़ों निःसंतान जोड़े भगवान मुरुगा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रबंधन द्वारा नीलाम किए गए नींबू के लिए बोली लगाते हैं। तमिलनाडु के विल्लुपुरम मंदिर में भगवान की मूर्ति के साथ लगे भाले पर निंबू चढ़ाया जाता है। इसके बाद इन निंबूओं की बोली लगाई जाती है। बीते मंगलवार को भी इसकी नीलामी की गई और 9 निंबू 2.36 लाख रुपये में बिके। ऐसी मान्यता है कि जिन दंपतियों को संतान नहीं होता है, उन्हें इसके पानी का सेवन करने से संतान की प्राप्ति होती है और परिवार में समृद्धि भी आती है। रिपोर्ट के मुताबिक एक ग्रामीण ने कहा, मंदिर अपने पवित्र नींबूओं के लिए प्रसिद्ध है। लोगों का दृढ़ विश्वास है कि भगवान मुरुगा के भाले में लगे नींबू में जादुई शक्तियां हैं।एक दूसरे ग्रामीण ने कहा, निःसंतान दंपति नींबू खरीदते हैं क्योंकि ऐसी दृढ़ मान्यता है कि नींबू बांझपन को ठीक करता है। व्यापारी और व्यवसायी अपने व्यापारिक उद्यमों में समृद्धि की तलाश में नींबू खरीदते हैं। यह त्योहार नौ दिनों तक चलता है। मंदिर के पुजारी हर दिन एक नींबू काटते हैं। उत्सव के आखिरी दिन मंदिर प्रबंधन नींबू की नीलामी करता है। त्योहार के पहले दिन भाले पर लगा नींबू सबसे शुभ और शक्तिशाली माना जाता है। कुलाथुर गांव के एक कपल ने 50,500 रुपये में नींबू खरीदा। नींबू के लिए बोली लगाने के बाद उन्होंने स्नान किया और मंदिर के पुजारियों के सामने घुटने टेककर उन्हें प्राप्त किया।

टोल पर महंगाई की मार,दिल्ली से मेरठ और हापुड़ से जयपुर तक का सफर हुआ महंगा

नई दिल्ली। महंगाई की मार अब टोल पर भी पड़ रही है। मतलब चार पहिया वाहनों को अब टोल टैक्स ज्यादा देना पड़ेगा।अब लोगों को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सफर करने के लिए पांच रुपए अधिक शुल्क देना होगा। अभी तक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से हापुड़ की तरफ जाने पर छिजारसी (पिलखुवा) टोल प्लाजा पर 165 रुपये टोल लिया जा रहा था जो एक अप्रैल से 170 रुपए हो जाएगा।वहीं, सराय काले खां से मेरठ तक का काशी (परतापुर) टोल प्लाजा पर 160 रुपए टोल देना होता था जो अब 165 रुपए देना होगा। इसी तरह से छिजारसी टोल प्लाजा से मासिक पास 330 रुपए में अभी तक जारी किया जाता था जो अब एक अप्रैल से 340 रुपए में जारी किया जाएगा। एनएचएआई ने कार, हल्के व्यावसायिक वाहन समेत सभी श्रेणी के वाहनों से ली जाने वाली टोल दरों में इजाफा किया है। इसके साथ ही मासिक पास भी 10 रुपए प्रति महीने के हिसाब से महंगा हो गया है। ध्यान रहे कि नेशनल हाईवे पर स्थित टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर की परिधि में रहने वाले लोगों को मासिक पास जारी किया जाता है। यह सिर्फ निजी श्रेणी के वाहनों के लिए जारी होती है। हालांकि मासिक पास को एक्सप्रेसवे स्थित टोल प्लाजा पर जारी नहीं किया जाता है। एचएसआईआईडीसी की तरफ से केएमपी एक्सप्रेस वे पर टोल शुल्क को 29 मार्च तक तय कर दिए जाएंगे।एनएचएआई से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि टोल दरों में पांच फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है, जो हर एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे के हिसाब से अलग-अलग है। दिल्ली में प्रतिदिन दिल्ली-जयपुर, दिल्ली-आगरा, दिल्ली-अंबाला, दिल्ली- रोहतक नेशनल हाईवे के साथ ही दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-मेरठ और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के जरिए निजी और कमर्शियल वाहनों का आवागमन होता है।

राजनीति देश की सेवा करने का जरिया : कंगना रनौत

– हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही एक्ट्रेस

नई दिल्ली। अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा कि भारत के लोगों ने उन जैसे एक कलाकार को बहुत कुछ दिया है और वह उसे समाज को लौटाना जरूरी समझती हैं और राजनीति ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका है। अभिनेत्री ने एक इवेंट के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनके लिए राजनीति प्रचार पाने या पैसा कमाने का नहीं, बल्कि देश की सेवा करने का जरिया है।उन्होंने कहा-''भगवान दयालु रहे हैं और उन्होंने मुझे बहुत आशीर्वाद दिया है। मेरे लिए राजनीति प्रचार पाने या पैसा कमाने का साधन नहीं है, यह लोगों की सेवा करने का एक तरीका है। सार्वजनिक शख्सियतों और अभिनेताओं के रूप में हम उस बिंदु पर पहुंच जाते हैं, जहां दर्शक भी समाज को वापस देने के मामले में हमसे कुछ उम्मीद करते हैं।'' 'मेरे पास जो कुछ भी है, वह सब लोगों की वजह से है और भाजपा लोगों की पार्टी है। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि कोई कसर न छोडूं और लोगों ने मुझे जो आशीर्वाद दिया है, उसकी तुलना में उन्हें कहीं अधिक लौटाऊं। मैंने भाई-भतीजावाद शब्द का इस्तेमाल किया था और मैं कहना चाहूंगा कि भाजपा एक निष्पक्ष दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली वाली राजनीतिक पार्टी है।कंगना ने यह भी कहा कि वह पार्टी में बॉलीवुड स्टार के तौर पर नहीं, बल्कि एक पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर शामिल हुई हैं। उन्होंने कहा, 'आज मैं इस पार्टी में एक बॉलीवुड स्टार के तौर पर शामिल नहीं हुई हूं, मैं एक कार्यकर्ता के तौर पर पार्टी का हिस्सा बनी हूं। पार्टी व समाज के हित में काम करूंगी। आज बहुत सारे लोग यहां एकत्र हुए हैं और उन्होंने मुझे इस रास्ते पर मार्गदर्शन करते हुए यह अवसर दिया है।कंगना के पिता अमरदीप रनौत ने उनके बयान को दोहराते हुए कहा कि अभिनेत्री समाज के लिए काम करने के लिए पार्टी में शामिल हुई हैं।

चुनावी और कानूनी प्रक्रियाओं पर बाहरी आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य

अमेरिका की लगातार बयानबाजी पर विदेश मंत्रालय ने खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस के बैंक खातों को जब्त करने पर टिप्पणी को लेकर भारत द्वारा अमेरिकी राजनयिक को समन भेजने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि कल भारत ने अमेरिकी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष अमेरिकी विदेश विभाग की टिप्पणियों के संबंध में अपनी कड़ी आपत्ति और विरोध दर्ज कराया। विदेश विभाग की हालिया टिप्पणियाँ अनुचित हैं। हमारी चुनावी और कानूनी प्रक्रियाओं पर ऐसा कोई भी बाहरी आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य है। भारत में कानूनी प्रक्रियाएं कानून के शासन से ही संचालित होती हैं। जिस किसी का भी लोकाचार समान है, विशेषकर साथी लोकतंत्रों को, इस तथ्य की सराहना करने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए।

भारत को अपनी स्वतंत्र और मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गर्व है। हम उन्हें किसी भी प्रकार के अनुचित बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपसी सम्मान और समझ अंतरराष्ट्रीय संबंधों की नींव बनाती है, और राज्यों से दूसरों की संप्रभुता और आंतरिक मामलों का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है। अमेरिका ने एक बार फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले में कमेंट किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर न सिर्फ केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बोले बल्कि उन्होंने कांग्रेस के फ्रीज बैंक खातों का मुद्दा भी उठा दिया। आपको बता दें कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय की तरफ से एक दिन पहले भी केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी की गई थी।

अमेरिका ने निष्पक्ष, पारदर्शी, समय पर कानूनी प्रक्रियाओं के लिए अपना आह्वान को दोहराया। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने नई दिल्ली में अमेरिकी मिशन के कार्यवाहक उपप्रमुख ग्लोरिया बर्बेना को भारत द्वारा तलब किए जाने पर सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी सहित इन कार्रवाइयों पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेंगे। विदेश मंत्रालय के साउथ ब्लॉक कार्यालय में कल लगभग 40 मिनट तक बैठक चली, जिसमें भारत ने श्री केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिकी टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई।

कंगना पर टिप्पणी ने बढ़ाई सुप्रिया श्रीनेता की मुश्किलें

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार बनी अभिनेत्री कंगना रनौट पर कथित टिप्पणी कर कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कंगना पर आपत्तिजनक कमेंट करने पर सुप्रिया को कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच अब कांग्रेस पार्टी ने भी उनपर सख्ती बरती है। कांग्रेस ने सुप्रिया श्रीनेत के इंस्टाग्राम अकाउंट से किए गए गलत पोस्ट पर उन्हें सख्त संदेश दिया है। पार्टी ने सुप्रिया का उस निर्वाचन क्षेत्र से टिकट काट दिया है, जहां से वो उम्मीदवार के रूप में 2019 का चुनाव लड़ीं थी। सुप्रिया ने पिछला लोकसभा चुनाव उत्तर प्रदेश के महाराजगंज से लड़ा था, लेकिन वह भाजपा के पंकज चौधरी से हार गयी थीं। इससे पहले चुनाव आयोग ने सुश्री श्रीनेत को उनके पोस्ट पर कारण बताओ नोटिस जारी किया था। कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए बुधवार को अपनी आठवीं सूची की घोषणा की। इसमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और झारखंड के लिए 14 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए। पार्टी अब तक 208 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। कांग्रेस ने इस बार कंगना रनौट पर की गई कथित पोस्ट के बाद श्रीनेत को हटाकर वीरेंद्र चौधरी को इस सीट से टिकट दिया है। श्रीनेत के इंस्टाग्राम अकाउंट से रनौट की तस्वीर और अपमानजनक कैप्शन के साथ एक आपत्तिजनक पोस्ट डाला गया था। हालांकि, श्रीनेत ने तुरंत स्पष्ट किया कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट तक कई लोगों की पहुंच है और उनमें से एक ने ये अनुचित पोस्ट किया है।

लालू यादव ने पप्पू यादव के साथ कर दिया खेला

कांग्रेस के अगले कदम का इंतजार

पटना (एजेंसी)। बिहार में सीट बंटवारे को लेकर आरजेडी और कांग्रेस में खींचतान के बीच लालू के करीबी पप्पू यादव के साथ बड़ा खेल हो गया। कोई सीट नहीं मिलने से पप्पू यादव दुःखी जरूर हैं, लेकिन अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर देने के बाद वो पीछे नहीं हटना चाह रहे हैं। अब सवाल यह है कि पप्पू यादव और कांग्रेस पार्टी का अगला कदम क्या होगा? दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला तक अभी सामने नहीं आया है।

बिहार में पप्पू यादव पूर्णिया लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए दावेदारी कर रहे हैं। ऐन वक्त पर लालू यादव ने पूर्णिया जिले की ही रुपौली सीट से नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू की विधायक बीमा भारती को राष्ट्रीय अपनी पार्टी आरजेडी जॉइन कराकर लोकसभा का टिकट थमा दिया। पूर्णिया से बीमा की उम्मीदवारी का ऐलान भी लालू, तेजस्वी ने नहीं, खुद बीमा भारती ने ही सोशल मीडिया पोस्ट कर दिया था।

पूर्णिया सीट पर आरजेडी के उम्मीदवार उतारने के बाद अब पप्पू यादव कांग्रेस से आस लगाए बैठे हैं। उन्होंने दोहराया है कि दुनिया छोड़ देंगे लेकिन पूर्णिया नहीं छोड़ेंगे। अब सवाल यह है कि पप्पू यादव और कांग्रेस पार्टी का अगला कदम क्या होगा? दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला अभी तक सामने नहीं आया है, ऐसे में कांग्रेस और पप्पू यादव के सामने क्या विकल्प बचते हैं?

आरजेडी का टिकट फाइनल होने के बाद भी पप्पू यादव का जिस तरह का रुख नजर आ रहा है, उससे लगता है कि पूर्णिया सीट पर आरजेडी और कांग्रेस के उम्मीदवार आमने-सामने आ जाएंगे। गठबंधनों के इतिहास में फ्रेंडली फाइट कोई नई बात भी नहीं है। पहले भी कई बार दो गठबंधन सहयोगी किसी सीट विशेष पर आमने-सामने नजर आ चुके हैं जिसे लेकर बात नहीं बन सकी हो। पप्पू यादव के लिए आरजेडी मधेपुरा सीट दे सकती है। पप्पू यादव पहले भी मधेपुरा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं और उन्होंने यह कहा था कि लालू ने उनके सामने अपनी पार्टी का आरजेडी में विलय करने की शर्त रखते हुए मधेपुरा से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा था।

ऐसा भी है कि कांग्रेस लालू यादव के सामने अगर सरेंडर करती है तो पप्पू अपनी राह अलग कर लें। पप्पू 1991 और 1999 की तर्ज पर पूर्णिया सीट से निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर जाएं या फिर जिस तरह 1996 में सपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ा था, कुछ वैसा ही इस बार करें और किसी कम बेस वाली पार्टी का दामन थाम कर चुनाव लड़ सकते हैं। अपनी जन अधिकार पार्टी का वह कांग्रेस में विलय कर चुके हैं, ऐसे में उनके पास असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और मुकेश सहनी की वीआईपी जैसी पार्टियों के विकल्प भी हैं जो न तो इंडिया ब्लॉक में शामिल हैं और ना ही एनडीए का हिस्सा हैं।

अब पप्पू के साथ भी कुछ वैसा ही हुआ

लालू-तेजस्वी से पप्पू यादव की मुलाकात को आरजेडी की सहमति के तौर देखा गया बीमा भारती की सीन में एंट्री के साथ ही तस्वीर बदल गई। बीमा ने आरजेडी में आते ही कहा भी कि लालू यादव का निर्देश हुआ तो पूर्णिया लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। तभी से यह चर्चा भी शुरू हो गई थी कि आरजेडी कहीं पप्पू यादव को कीर्ति आजाद न बना दे । कीर्ति आजाद 2019 के चुनाव से ठीक पहले दरभंगा सीट से टिकट की शर्त पर कांग्रेस में आए थे लेकिन इस सीट से गठबंधन में आरजेडी ने अपना उम्मीदवार उतार दिया था। अब पप्पू यादव के साथ भी कुछ वैसा ही हुआ है।

मेरे पास इतना पैसा नहीं की चुनाव लड़ सकूं... इसलिए मना किया : सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में लड़ने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को टिकट नहीं मिला है। इतना ही नहीं खुद निर्मला ने भी साफ कर दिया है कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में नहीं लड़ेंगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा है कि उन्हें तमिलनाडु या आंध्र प्रदेश से चुनाव लड़ने का विकल्प दिया गया था। उन्होंने बताया कि पार्टी ने मुझसे पूछा था लेकिन कई हफ्तों के विचार के बाद मैंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। उन्होंने बताया कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुझसे पूछा था कि वे दक्षिण में आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु से चुनाव लड़ सकती है। मगर उन्होंने खुद ही इसके लिए मना कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं है, इसकारण मैंने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने भी मेरी परेशानी समझी, जिसके मैं पार्टी की आभारी हूं। उन्होंने बताया की उनके पास अधिक धन नहीं है, क्योंकि मेरा वेतन, मेरी कमाई और मेरी बचत मेरी है, भारत की संचित निधि नहीं। उन्होंने बताया कि मैंने भाजपा के प्रस्ताव को यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि उनके पास लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए जरूरी ''उस तरह का धन नहीं हैं। मुझे यह भी समस्या है कि आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु। जीतने लायक विभिन्न मानदंडों का भी सवाल है... आप इस समुदाय से हैं या आप उस धर्म से हैं? मैंने नहीं कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा करने में सक्षम हूं।''

देश में 19 अप्रैल से लोकसभा चुनाव होने वाले है, यह देखकर निर्मला सीतारमण उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार करेंगी। बता दें कि पार्टी ने कई राज्यसभा सदस्यों को मैदान में उतारा है, जिसमें पीयूष गोयल, भूपेन्द्र यादव, राजीव चन्द्रशेखर, मनसुख मांडविया और ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम शामिल हैं। निर्मला सीतारमण कर्नाटक से राज्यसभा की सदस्य हैं।

सोनम वांगचुक का ऐलान, चीन से लगाती सीमा पर सात अप्रैल को होगा मार्च

श्रीनगर । लेह एपेक्स बॉडी और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा सात अप्रैल को चीन की सीमा पर मार्च की घोषणा के बाद गुरुवार को लद्दाख में आंदोलन तेज हो गया। वांगचुक ने पर्यावरण और क्षेत्र के लोगों के हितों की रक्षा के लिए सीमा पर मार्च करने के फैसले को विरोध का गांधीवादी तरीका बताया है। गौरतलब है कि लेह एपेक्स बॉडी लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए क्षेत्र को संविधान की 6वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए आंदोलनरत है। लेह एपेक्स बॉडी की ओर से कहा गया कि इसके बाद महिलाओं, युवाओं, धार्मिक नेताओं और बुजुर्गों द्वारा भूख हड़ताल की एक श्रृंखला शुरू की जाएगी। सात अप्रैल का विरोध मार्च चांगथांग तक ले जाने का प्रस्ताव है, जिसकी सीमा चीन से लगती है। नेताओं ने कहा, यह गांधी जी की दांडी यात्रा की तरह होगा। वांगचुक ने आरोप लगाया है कि पश्मीना ऊन के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध चांगथांग चरागाहों को अपने जानवरों को बेचने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उद्योगपतियों ने अपने संयंत्र स्थापित करने के लिए 20 हजार एकड़ से अधिक चरागाह भूमि ले ली है।

भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी का लंदन वाला फ्लेट होगा नीलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को एक बार फिर झटका लगा है। लंदन हाईकोर्ट ने उनके लग्जरी फ्लैट को बेचने की मंजूरी दी है। फिलहाल ये फ्लैट नीरव के फैमिली ट्रस्ट की कस्टडी में है। फ्लैट की बिक्री से 52.5 लाख पाउंड यानी लगभग 55 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। यह फ्लैट सेंट्रल लंदन के मैरीलबोन इलाके में है। फ्लैट पर फिलहाल ट्राइडेंट ट्रस्ट कंपनी (सिंगापुर) की दावेदारी भी है। यह कंपनी फ्लैट की बिक्री में मुख्य दावेदार है। इसके बाद ईडी ने अदालत में याचिका दायर कर नीरव मोदी के फ्लैट को बेचने का अनुरोध किया था।

इस मामले में ईडी की ओर से पेश बैरिस्टर हरीश साल्वे ने कोर्ट को बताया कि वह लाभार्थी (भारत सरकार) के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लैट की बिक्री के लिए सहमत हुए हैं। ईडी का कहना है कि इस फ्लैट की बिक्री से मिलने वाली राशि से पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के कर्ज को अदा किया जाएगा।जज ब्राइटवेल ने कहा कि ये कोई सामान्य मामला नहीं है। मुझे लगता है कि इस प्रॉपर्टी को 52.5 लाख पाउंड तक में बेचने की मंजूरी देने का फैसला सही है। दिसंबर 2017 में नीरव मोदी ने ये फ्लैट एक ट्रस्ट के नाम कर दिया था। ये ट्रस्ट नीरव मोदी की बहन पूर्वी मोदी और उनके परिवार का है।4079 वर्गमीटर में फैला ये अपार्टमेंट बेकर स्ट्रीट स्टेशन के पास ही है। कानूनी तौर पर इस फ्लैट पर मालिकाना हक नीरव मोदी की बहन पूर्वी मोदी का है। लेकिन ईडी ने कोर्ट को बताया कि इसके बावजूद इसका असल लाभार्थी नीरव मोदी ही है। बता दें कि इस दौरान अदालती सुनवाई में नीरव मोदी थेमसाइड जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे।

बदरुद्दीन अजमल का दावा, माहौल बीजेपी के खिलाफ, धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के साथ ही रहेंगे

दिसपुर (एजेंसी)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया कि लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में सत्ता में लौटने पर उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन से हाथ नहीं मिलाएगी। हालांकि, एआईडीयूएफ नेता ने कहा कि वे उन सभी तीन सीटों पर जीत हासिल करेंगे, जिन पर वे चुनाव लड़ रहे हैं। सीटों के बंटवारे को लेकर इंडिया ब्लॉक में मचे घमासान से निराश बदरुद्दीन ने कहा कि अगर पार्टियां बरकरार रहतीं तो कुछ उम्मीद की जा सकती थी, लेकिन ये सभी लड़कर एकतरफा तौर पर बीजेपी को फायदा पहुंचा रहे हैं। बदरुद्दीन ने कहा कि एआईयूडीएफ तीनों सीटें जीतेगी। हम बीजेपी-एनडीए के साथ सरकार नहीं बना सकते। इसलिए हम धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के साथ ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इंडिया गुट एक साथ होता तो कुछ उम्मीद हो सकती थी लेकिन ये सभी अलग-अलग लड़ रहे हैं। आम आदमी पार्टी और

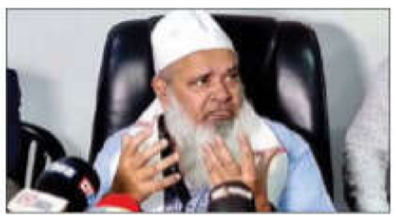

तृणमूल कांग्रेस दो बड़ी पार्टियां हैं जो बिल्कुल अलग-अलग लड़ रही हैं। इससे बीजेपी को फायदा होगा। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि उत्तर प्रदेश और बिहार में भाजपा को भारी नुकसान होगा। एआईयूडीएफ नेता ने कहा कि मैं और कुछ नहीं कहना चाहूँगा; वे हमारे पीछे ईडी और सीबीआई लगा देंगे, लेकिन माहौल बीजेपी के खिलाफ जा रहा है। लोगों को 15 लाख रुपये की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दो करोड़ नौकरियां नहीं मिलीं। युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा कि जिस युवा ने भाजपा को सत्ता में पहुंचाया वही युवा आज उनसे नाराज है। हमें जमीन की जानकारी है। उत्तर प्रदेश और बिहार में बीजेपी को भारी नुकसान होगा। उन्होंने दावा किया कि वे संविधान बदलने की सोच रहे हैं जिसके लिए उन्हें 400 से अधिक सीटें चाहिए, उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। असम में कुल 14 संसदीय क्षेत्र हैं। असम की 14 लोकसभा सीटों के लिए तीन चरणों में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मई को चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि चीजें बीजेपी के पक्ष में नहीं जा रही हैं... यह बहुत मुश्किल है (बीजेपी को 370 हासिल करना) क्योंकि उन्होंने इस बार कुछ नहीं किया है।% हम भी बिजनेस करते हैं और हमें डर है कि अगर हम कुछ बोलेंगे तो वो हमारे पीछे ईडी और सीबीआई लगा देंगे... दूसरी बड़ी बात ये है कि वो संविधान बदल देंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें 400 प्लस की जरूरत है जो कि बनी हुई है. उनके लिए सपना जो पूरा नहीं होगा. अगर भारत गठबंधन के भीतर पार्टियां एक साथ लड़ने के लिए सहमत होतीं, तो चीजें अलग होतीं, लेकिन अब इससे बीजेपी को फायदा होगा।

राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों के चुनावी प्रचार पर निगरानी रख रहे आईटी एक्सपर्ट

-आचार संहिता उल्लंघन पर निगरानी रखने बनाए जिलों और स्टेट लेवल पर कंट्रोल रूम

नयी दिल्ली (एजेंसी)। देश की हर राजनीतिक पार्टी और उम्मीदवार अपने-अपने लेवल पर टीवी, अखबार और सोशल मीडिया के माध्यम से धुआंधार चुनाव प्रचार करते हैं। सोशल मीडिया के इसी माध्यम से राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले प्रचार और खर्चों की निगरानी करना भी चुनाव आयोग के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इससे निपटने के लिए आयोग ने इस बार बड़े सख्त कदम उठा रहा है। एक समय था जब चुनावों के दौरान झंडे, पोस्टर, बिल्ले के साथ-साथ सड़कों से लेकर गली-मोहल्लों में कार, रिक्शा और ऑटो समेत अन्य गाड़ियों में लाउडस्पीकर लगाकर विभिन्न राजनीतिक पार्टियां और उम्मीदवार अपने-अपने चुनावी चिह्न लगे झंडों के साथ प्रचार करते थे। डिजिटल युग में तेजी से बदलते समय में जहां इन तरीके से किए जाने वाले चुनाव प्रचार को थोड़ा कम किया है, वहीं इसकी जगह सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म तेजी से लेता जा रहा है। चुनाव आयोग ने आचार संहिता उल्लंघन पर निगरानी रखने के लिए जिलों और स्टेट लेवल पर कंट्रोल रूम बनाए हैं। इनमें ना केवल सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म बल्कि वेब कास्टिंग, टीवी, सी-विजिल के अलावा पीजी सेल पर निगरानी करने के अलावा यहां मिलने वाली शिकायतों के निराकरण के लिए भी काम किया जा रहा है। इस बारे में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने भी कहा था कि हर जिले और राज्य स्तर पर बनाए गए कंट्रोल रूम के माध्यम से सोशल मीडिया समेत अन्य तमाम चुनाव प्रचार करने और आचार संहिता उल्लंघन पर निगरानी रखी जाएगी। आयोग का कहना है कि इन कंट्रोल रूम में बैठी आयोग की आईटी एक्सपर्ट टीम राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों द्वारा सोशल मीडिया पर किए जाने वाले चुनावी प्रचार की निगरानी कर रही है। राजनीतिक पार्टियां ज्यादातर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें उसी राज्य या क्षेत्र की भाषा में प्रचार की सामग्री तैयार करवाई जाती है। इसके लिए इंस्टाग्राम, यू ट्यूब, एक्स, फेसबुक, एमएमएस, वट्सऐप, विशेष प्रचार के लिए बनाए जाने वाले ऐप, टीवी, पहले से रिकॉर्ड संदेश, एआई के जरिए भी प्रचार, स्नैपचैट, ई-मेल, वेबसाइट, टीवी पर आने वाली फिल्म, सीरियल समेत न्यूज या अन्य किसी कार्यक्रम के बीच में दिए जाने वाले चुनावी विज्ञापन के अलावा सोशल मीडिया के वह तमाम माध्यम से चुनावी प्रचार किया जाता है। अगर कोई राजनीतिक पार्टी और उम्मीदवार सोशल मीडिया के किसी भी माध्यम से चुनाव प्रचार करता है, तो उसे ऐसा करने से पहले अपने इलाके के संबंधित चुनाव अधिकारी से इसे दिखाकर इसकी इजाजत लेनी होती है। चुनाव अधिकारी के संतुष्ट होने के बाद ही राजनीतिक दल या उम्मीदवार सोशल मीडिया पर किसी भी तरह का चुनाव प्रचार कर सकते हैं। अगर राजनीतिक पार्टी ऐसा नहीं करती हैं तो उनके खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में कार्रवाई की जा सकती है। सोशल मीडिया पर प्रचार करने के लिए जो भी राजनीतिक पार्टी या उम्मीदवार किसी टीम या स्टाफ को हायर करता है तो इसकी जानकारी और खर्चे का ब्यौरा समेत रील बनाने या अन्य प्रचार पर किए जाने वाले खर्चे की जानकारी भी चुनाव अधिकारी को बतानी होती है।

कैंसर से लड़ेंगी प्रतिरोधी कोशिकाएं

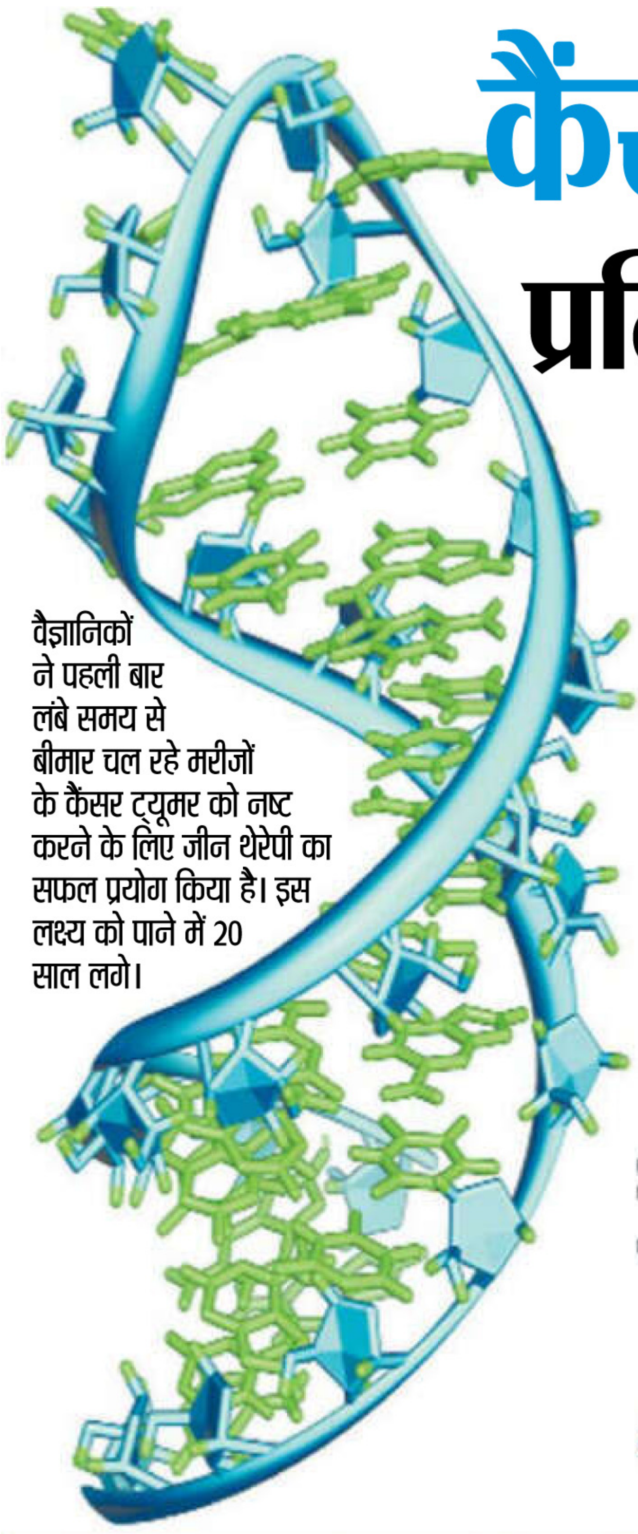

वैज्ञानिकों ने पहली बार लंबे समय से बीमार चल रहे मरीजों के कैंसर ट्यूमर को नष्ट करने के लिए जीन थेरेपी का सफल प्रयोग किया है। इस लक्ष्य को पाने में 20 साल लगे।

अमेरिका में पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पैथोजन से लड़ने वाले मरीजों की अपनी टी कोशिकाएं बनाईं, जिसका लक्ष्य ल्यूकिमिया कोशिकाओं की सतह पर मिले कणों से लड़ना था। बदली हुई टी कोशिकाओं को शरीर के बाहर विकसित किया गया और उसके बाद क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया से बीमार मरीजों के शरीर में वापस डाला गया। यह बीमारी खून और बोन मैरो को प्रभावित करती है और ल्यूकिमिया का बहुत आम रूप है।

परीक्षण का पहला चरण

नई थेरेपी की मदद से कैंसर के तीन मरीजों को जीवनदान मिला। इसने प्रतिरक्षी कोशिकाओं को ट्यूमर किलर में बदल दिया। पहले चरण के ट्रायल में भाग लेने वाले दो मरीजों की हालत पिछले एक साल से सुधर रही है। तीसरे मरीज के शरीर ने अच्छी प्रतिक्रिया दी है और उसका कैंसर नियंत्रण में है। अगला बड़ा चरण शुरू करने से पहले शोधकर्ता क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया के शिकार चार और मरीजों का उपचार करना चाहते हैं।

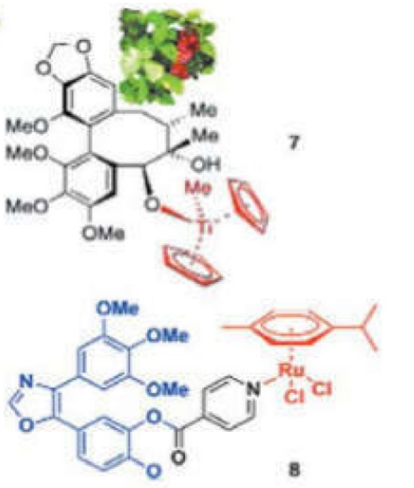

7
8

विकास के दौर में

ट्रायल के नतीजों ने वैज्ञानिकों को हैरत में डाला, हालांकि जीन थेरेपी अभी भी विकास के दौर में है। पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के पेरेलमन मेडिसीन स्कूल के डॉ. माइकल कैलोस के अनुसार हमने टी-सेल की सतह पर एक कुंजी डाली, जो उस ताले के साथ फिट बैठती है, जो सिर्फ कैंसर की सेलों में होता है। इलाज के नतीजे दूसरे प्रकार के कैंसरों के इलाज का भी रास्ता सुझाते हैं। इसमें फेफड़े और अंडाशय का कैंसर भी शामिल है। शोध के नतीजे न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसीन और साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसीन पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं। कैलोस ने कहा है कि एडॉप्टिव टी-सेल ट्रांसफर के नाम से जाने, जाने वाले पिछले प्रयास या तो इसलिए विफल हो गए कि टी-सेलों की प्रतिक्रिया बहुत कमजोर थी या फिर इसलिए कि वे सामान्य ऊतकों के लिए अत्यंत विषैले थे।

कैंसर इलाज की नई तकनीक

यह तकनीक कैंसर के इलाज की दूसरी तकनीकों से अलग है। यह ट्यूमर का मुकाबला करने के लिए शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को काम में लाती है। अब आप इम्यून रेस्पांस करवाने की कोशिश छोड़िए, हम आपको इम्यून रेस्पांस दे रहे हैं।

इलाज की नई प्रणाली सुरक्षित मालूम होती है, लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी और परीक्षण किए जाने की जरूरत है। पहले चरण के ट्रायल में ल्यूकिमिया के मरीजों को प्रतिरक्षा बढ़ाने वाली दवा दी गई, क्योंकि लक्षित अणु सीडी 19 सामान्य प्रतिरक्षा सेलों पर भी होता है। जीन थेरेपी के लिए शोधकर्ताओं ने एक वायरस का इस्तेमाल किया, जो कोशिकाओं को सिर्फ एक बार संक्रमित कर सकता है। लगभग दो सप्ताह बाद मरीजों ने ट्यूमर लाइसिसि सिंड्रोम का अनुभव करना शुरू किया। इसमें कंपकंपी, मितली और बुखार के लक्षण दिखाई देते हैं, जो कैंसर की मरती कोशिकाओं से पैदा होने वाले उत्पादों के कारण पैदा होते हैं।

नए टी-सेल

नए विकसित टी-सेल बाद के कई महीने तक मरीजों के खून में पाए गए। उनका एक हिस्सा मेमोरी सेलों में बदल गया, जो कैंसर के फिर से होने से सुरक्षा कर सकता है। पोर्टलैंड ओरेगन के कैंसर सेंटर के डॉ. वाल्टर ऊरबा चेतावनी देते हैं कि सक्रिय टी-सेलों और मेमोरी सेलों की उपस्थिति दूसरे प्रकार के कैंसरों के लिए समस्या पैदा कर सकती है, जहां सामान्य कोशिकाओं पर विषैला असर और गंभीर हो सकता है। जीन थेरेपी के ट्रायल पर सारा खर्च शैक्षणिक समुदाय से आया है।

फेफड़ों के कैंसर को रोकेगी जालकोरी

फेफड़ों के कैंसर की नई दवा जालकोरी उपयोगी साबित होगी। अमेरिका के औषधि प्रशासन विभाग ने गोली को मंजूरी दे दी है।

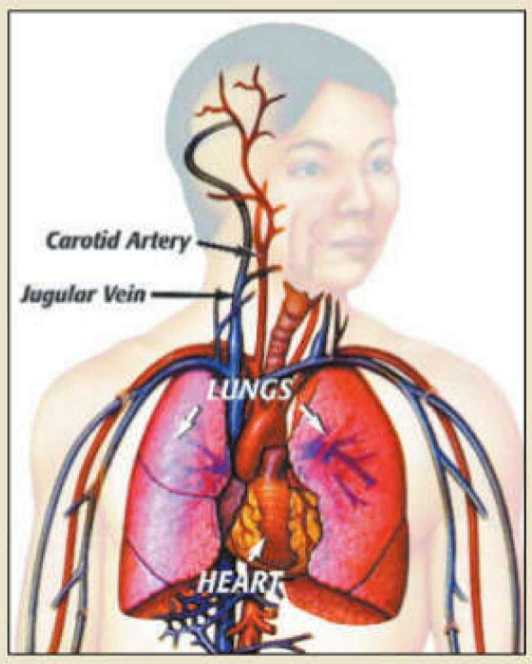

अमेरिका के खाद्य एवं औषध प्रशासन ने फेफड़ों के कैंसर से बचाव करने और ट्यूमर के विकास को रोकने वाली दवा को मंजूरी दी है। जालकोरी नामक यह गोली जीन पर हमला कर उपचार करती है। प्रमुख दवा कंपनी फाइजर द्वारा निर्मित जालकोरी नामक यह गोली कैंसर पीड़ितों के शरीर में जीन पर हमला कर उपचार करती है। इससे उन कैंसर मरीजों का इलाज संभव होगा, जिनके शरीर में एक असाधरण जीन मौजूद होती है, जिससे कैंसर कोशिकाएं बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर विकसित होता रहता है। येल विश्वविद्यालय में कैंसर चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. रॉय हर्बस्ट का कहना है यह एक आणविक चिकित्सा का उदाहरण है। अब ऐसी थेरेपी विकसित हो चुकी है, जो कीमोथेरेपी से भी बेहतर है और ट्यूमर को खत्म करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) का कहना है कि करीब तीन चौथाई रोगियों की जांच ट्यूमर विकसित होने के बाद हो पाती है। साथ ही इनमें से मात्र छह प्रतिशत लोग पांच साल तक जीवित रह पाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जालकोरी फाइजर के लिए एक ब्लॉकबस्टर उत्पाद सिद्ध हो सकता है। पिछले हफ्ते खाद्य एवं औषध प्रशासन ने एक और ऐसी दवा को मंजूरी दी है, जो जीन में परिवर्तन कर कैंसर का इलाज करती है।

बड़ी फिगर से खो सकती है याददाश्त

अगर आपके फिगर की मोटाई अधिक है तो आप सावधान हो जाइये। इससे आपकी याददाश्त भी जा सकती है।

एक नए शोध के अनुसार किसी महिला की फिगर उसकी याददाश्त को प्रभावित कर सकती है। अमेरिका में शोधकर्ताओं ने पाया कि बूढ़ी महिलाओं का वजन अधिक हो तो उनकी याददाश्त कमजोर होती है, लेकिन अगर नितंबों का वजन अधिक है तो यह याददाश्त को बहुत अधिक प्रभावित करती है।

अन्य बीमारियों का खतरा

विशेषज्ञों का मानना है कि कमर के आसपास वजन बढ़ने से कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारियों के बढ़ने का खतरा रहता है। यह शोध जर्नल ऑफ द अमेरिकन गेरियाट्रिक्स सोसायटी में छपा है, जिसमें अच्छे दिमाग के लिए सही वजन होने की महत्ता बताई गई है।

वजन घटने से खतरा कम

हालांकि शोध में यह भी कहा गया है कि अगर नितंबों का वजन बहुत अधिक न हो यानी थोड़ा सा ही अधिक हो तो इससे दिमाग की सुरक्षा भी होती है। शोधकर्ता मानते हैं कि महिलाओं में पेट के आसपास जमा होने वाली वसा ओस्ट्रोजन हार्मोन बनाती है, जिसका बनना मीनोपॉज के बाद कम हो जाता है। ओस्ट्रोजन हार्मोन दिमाग के लिए मददगार होती है। यह शोध 65 से 79 साल की 8,745 महिलाओं पर किया गया। इन महिलाओं की याददाश्त की परीक्षा ली गई। इनमें से अधिकतर महिलाओं का वजन अधिक था और उनके बॉडी मास इंडेक्स का भी माप लिया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जैसे जैसे बॉडी मास इंडेक्स बढ़ता है, वैसे वैसे उनकी याददाश्त कम होती जाती है। इस शोध में उन महिलाओं की याददाश्त सबसे खराब पाई गई, जिनकी कमर छोटी और नितंब बड़े पाए गए। शोधकर्ताओं के प्रमुख डॉ. डायना करविन का कहना था, हमें ये देखना होगा कि कौन सी वसा दिमाग को किस तरह प्रभावित करती है।

नए सेल्स नहीं बनने देती रेडियेशन थेरेपी

रेडियेशन थेरेपी कैंसर की चिकित्सा का एक तरीका है जिसमें आयोनाइजिंग रेडियेशन नामक कणों का इस्तेमाल कैंसर के सेल्स को क्षति पहुंचाने के लिए होता है।

आयोनाइजिंग रेडियेशन कैंसर के सेल्स पर प्रहार करती है और उसके आनुवांशिक तत्व को नुकसान पहुंचा कर नए सेल्स को बनने नहीं देती । रेडियेशन थेरेपी के दौरान कैंसर के सेल्स के आसपास के सामान्य सेल्स को भी क्षति पहुंचती है लेकिन यह समय के साथ ठीक हो जाते हैं। रेडियेशन थेरेपी बाह्य रूप से एक्स रे बीम्स के रूप में गामा रेज या सब एटामिक पार्टिकल्स के रूप में दी जाती है। बाह्य रूप से रेडियेशन देने की प्रक्रिया में 5 से 15 मिनट लगते हैं और इसमें दर्द नहीं होता ।

कुछ नए तरीके

चिकित्सा कितनी बार दी जानी है यह हर व्यक्ति के लिए अलग अलग होता है। कुछ स्थितियों में चिकित्सा में कई हफ्ते लग जाते हैं। आंतरिक रूप से भी रेडियेशन दिया जाता है। ऐसे में रेडियोऐक्टिव पदार्थों को शरीर की कैविटी के रख दिया जाता है या फिर ट्यूमर के सेल्स के अन्दर रखा जाता है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ नए तरीके हैं –

- **कनफार्मल बीम तकनीक:** कई बीम से एक ही समय रेडियेशन भी ली जा सकती है। ऐसा करने से रेडियेशन ट्यूमर के सेल्स पर एकत्रित हो जाता है और सामान्य टिश्यूज को कम प्रभावित करता है।
- **इन्ट्राआपरेटिव रेडियेशन थेरेपी** : सर्जरी के दौरान ट्यूमर पर रेडियेशन दी जाती है।
- **रेडियेसेंसिटाइजर्स:** यह ड्रग्स कैंसर के सेल्स पर रेडियेशन के प्रभाव को बढ़ाते हैं।
- **रेडियोप्रोटेक्टर्स:** यह ड्रग्स सामान्य सेल्स को रेडियेशन के द्वारा हुई क्षति से बचाते हैं जबकि आसपास के कैंसर के सेल्स क्षतिग्रस्त हो चुके होते हैं।
- **रेडियोइम्यूनोथेरेपी:** रेडियोएक्टिव पदार्थ एण्टीबाडीज से जुड़े होते हैं जो कि रक्षात्मक रासायन होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा बनाये जाते हैं। यह एण्टीबाडीज कैंसर के सेल्स को प्रभावित करते हैं । हमारे शरीर के एण्टीबाडीज नान कैंसरस, स्वस्थ सेल्स को प्रभावित नहीं करते हैं इसलिए इससे ट्यूमर के बाहर रेडियेशन से होने वाली क्षति का खतरा कम होता है ।

रोग की चिकित्सा

बाह्य / एक्सटर्नल रेडियेशन थेरेपी शुरू करने से पहले रेडियेशन विशेषज्ञ चिकित्सा की योजना बनाता है। वह यह भी निर्धारित करता है कि मरीज़ को किस प्रकार की रेडियेशन और कितने सेशन देने हैं । आप शुरूआती सेशन में भाग ले सकते हैं। चिकित्सक सबसे पहले उस जगह पर निशान बनाता है जहां पर कि रेडियेशन चिकित्सा देनी होती है। चिकित्सकीय क्षेत्र पर निशान अंकित करने के लिए आजकल छोटे गोल्ड सीड्स का इस्तेमाल किया जाता है जिन्हें कि फिड्यूकल्स कहते हैं। एक चिकित्सकीय सेशन से दूसरे चिकित्सकीय सेशन में जाने के लिए ट्यूमर पर रेडियेशन की बीम देने पर ज्यादा सावधानी की आवश्यकता होती है। इससे रेडिसेशन के फैलने का खतरा और सामान्य सेल्स को क्षति पहुंचने का खतरा कम हो जाता है। चिकित्सा के दौरान मरीज को अस्पताल का गाउन पहनने की आवश्यकता होती है। रेडियेशन थेरेपी के कमरे में आपको या तो चिकित्सा की टेबल पर लेटना होता है या विशेष कुर्सी पर बैठना होता है। आपकी त्वचा पर बनाये निशान से चिकित्सक उस जगह को निर्धारित कर सकेगा जहां पर रेडियेशन देनी है और शरीर के दूसरे भागों पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा। थेरेपी लेने के दौरान आपका एक ही स्थिति में पड़े रहना जरूरी है। इसी कारण से आपके शरीर को एक सांचे में रखा जाता है। एक बार जबकि आप चिकित्सा के लिए तैयार हो जाते हैं तो रेडियेशन आनकोलाजिस्ट कमरे से बाहर निकलकर पास के कंट्रोल रूम में चला जाता है । यहां से चिकित्सक ट्रीटमेंट मशीन का प्रयोग कर एक खास खिड़की से आपकी निगरानी करता है। रेडियेशन थेरेपी के दौरान आप चिकित्सकीय मशीन की आवाज़ सुन सकते हैं और यह मशीन आपके इर्द गिर्द घूमती है । यह चिकित्सा 1 से 5 मिनट तक होती है और इसमें किसी प्रकार का दर्द भी नहीं होता । ट्रीटमेंट के कमरे में आपको 5 से 15 मिनट तक का समय लगता है । सामान्यत: यह चिकित्सा एक हफ्ते से कई हफ्तों तक की जाती है । अगर आप आंतरिक रेडियेशन थेरेपी करा रहे हैं तो आपकी चिकितसा थोड़ा अलग तरीके से होती है।

ब्रैकी थेरेपी

एक तरीका है ब्रैकीथेरेपी जिसे कि इन्टरस्टीशियल रेडियेशन थेरेपी भी कहते हैं । अगर आप यह प्रक्रिया करा रहे हैं तो आपको एनेस्थीसिया दिया जाता है तारों में मौजूद रेडियोएक्टिव पदार्थ या छोटे ट्यूब में पड़ा रेडियोएक्टिव पदार्थ मरीज के शरीर में ट्यूमर के स्थान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है। यह रेडियोएक्टिव आरोपण शरीर के अंदर रहता है या इसे कुछ समय बाद शरीर से निकाल दिया जाता है और यह बात भी कैंसर के प्रकार पर निर्भर करती है।

दूसरी प्रक्रिया जिसे कि इन्ट्राकैविटरी थेरेपी कहते हैं इसमें आपको जनरल या लोकल एनेस्थेटिक दिया जाता है और रेडियोएक्टिव पदार्थ को सीधा शरीर की कैविटी में आरोपित कर दिया जाता है। बाद में इसे निकाल भी दिया जाता है। पुराने समय से आज तक दोनों ही प्रकार की रेडियेशन थेरेपी में बदलाव आये हैं। जैसे कि रेडियेशन का स्रोत प्रोटोन भी हो सकते हैं। इस तकनीक में रेडियेशन बीम को सीधा मरीज पर केंद्रित किया जाता है। इससे अधिक मात्रा में रेडियेशन टिश्यूज तक पहुंच जाती है और यह सामान्य सेल्स को कम नुकसान पहुंचाती है ।

वितरण की नयी तकनीक को देखते हुए एक्स रे इमेजिंग तकनीक का प्रयोग भी विस्तार से हो रहा है । ऐसे दो तरीके हैं–

- **थ्री डाइमेंशनल कनफार्मल रेडियेशन और इन्टेंसिटी माड्यूलेटेड रेडियेशन** : इसका ध्येय है ट्यूमर सेल्स में रेडियेशन की सही मात्रा देना जिससे कि सामान्य सेल्स को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे ।
- साइबरनाइफ थेरेपी अधिक मात्रा में रेडियेशन थेरेपी देती है और इसे छोटे अंतराल पर देना होता है। ऐसे में बहुत ही सटीक मात्रा में रेडियेशन की डोज देनी होती है। कुछ स्थितियों में रेडियेशन चिकित्सा में कुछ हफ्ते लग जाते हैं और बीमारी ठीक हो जाती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

चिकित्सक कुछ शरीरिक जांच, स्कैन, एक्स रे, रक्त जांच करके रेडियेशन थेरेपी का पता लगाने की कोशिश करेंगे । आपके निशचित प्रकार की फोलो अप और जांच से यह पता चलेगा कि रेडियेशन थेरेपी की आवश्यकता है या नहीं । इस जांच से ट्यूमर की स्थिति का पता चलेगा और यह भी पता चलेगा कि कैंसर कितना फैल चुका है। रेडियेशन थेरेपी के बहुत से दूसरे अतिरिक्त प्रभाव हैं जो कि शरीर के उस क्षेत्र पर निर्भर करते हैं जिनकी चिकित्सा की जानी है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव कुछ इस प्रकार से हो सकते हैं जैसे कि थकान होना, बालों का झड़ना, त्वचा के रंग में परिवर्तन, भूख ना लगना, उलटियां आना, इन्फर्टिलिटी, स्टेरिलिटी, वैजाइनल ड्राइनेस। रेडियेशन थेरेपी से दूसरे प्रकार के कैंसर का भी डर रहता है।

Titanic में रोज की जान बचाने वाला दरवाजा 5.83 करोड़ में हुआ नीलाम

फिल्म 'टाइटैनिक' को आए कई साल बीत चुके है। लेकिन आज भी ये लोग इसे उतना ही पसंद करते हैं। इस फिल्म को पसंद करने के लोगों के पास कई कारण हैं। किसी को इसमें दिखाई गई लव स्टोरी पसंद है तो किसी को इसका दिल तोड़ देने वाला अंत पसंद आता है। इसके एक्टर्स की फैन फॉलोइंग की बात की जाए तो उसकी कोई लिमिट ही नहीं। लियोनार्डो डिकैप्रियो और केट विंसलेट की लव स्टोरी में वो दरवाजा काफी चर्चा में रहा है, जिसके कारण रोज की जान बची थी। अब इस दरवाजे को नीलाम कर दिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, जिस दरवाजे ने रोज की जान बचाई थी उसे ही जैक के दुखद निधन का कारण भी माना जाता है। हाल ही में एक नीलामी में वो दरवाजा 718,750 डॉलर में बिका है। इसके अलावा जो ड्रेस केट विंसलेट ने पहनी थी उसे भी इस नीलामी ने 125,000 डॉलर में नीलाम हुई। आपको बता दें कि फिल्म को देखने पर लोगों को लगा था कि वो दरवाजा महज एक लकड़ी का पैनल था, जबकि हेरिटेज ऑक्शन्स ट्रेजर्स ने स्पष्ट किया कि यह वास्तव में जहाज के फर्स्ट क्लास लाउंज के एंट्रेंस के ठीक ऊपर के दरवाजे के फ्रेम का हिस्सा है।

फिल्म में पहनी गई केट की शिफॉन ड्रेस भी इवेंट में 125,000 डॉलर में नीलाम हुई। बता दें कि जिस दरवाजे को नीलाम किया गया है, उसे लेकर सालों तक बहस चली। फिल्म के अंत में जैक की मौत पर काफी बहस होती रही है। फैंस हमेशा से कहते आए हैं कि जैक की जान बचाई जा सकती थी। दरअसल निर्देशक ने दोनों की तुलना लव स्टोरी को रोमियो-जूलियट से की थी। लोगों का कहना था कि उस दरवाजे पर रोज के साथ-साथ जैक भी जा सकता था और बच सकता था। इसे लेकर निर्देशक को अपना पक्ष भी रखना पड़ा था कि आखिर उन्होंने जैक की मौत क्यों दिखाई।

OTT पर इस दिन स्ट्रीम होगी आश्रम-4

एनिमल मूवी से बॉबी देओल ने फिल्मों में जोरदार वापसी की है। अब खबर है कि उनकी वेब सीरीज आश्रम के 3 सफल सीजन के बाद इसका सीजन 4 भी आने वाला है। आश्रम वेब सीरीज एमएक्स प्लेयर पर मौजूद है और इसमें बॉबी देओल ने एक स्वयंभू गॉडमैन का रोल निभाया है, जो पॉवरफुल होने के साथ-साथ दुष्ट भी होता है। ये गॉडमैन भगवान, धर्म और आस्था के बहाने कई आपराधिक गतिविधियों का मास्टरमाइंड होता है।

बॉबी देओल की ये सीरीज लोगों ने काफी पसंद किया है और अब फैंस आश्रम 4 भी जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकेंगे। आश्रम 4 का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है और इसमें बाबा निराला की वापसी का हिंट दिया गया है। हालांकि, उसके बाद से मेकर्स ने इसे लेकर कोई अपडेट नहीं दी। सीरीज में अहम रोल निभाने वाले चंदन रॉय सानियास ने एक बड़ा हिंट दिया है कि आश्रम 4 इसी साल रिलीज होगी। उन्होंने बताया कि आश्रम 4 की शूटिंग अभी थोड़ी बाकी है।

करीना, बोलीं- शाहरुख-काजोल वाली प्रेम कहानियां क्यों नहीं बनती

करीना कपूर आने वाले दिनों में क्रू में तब्बू और कृति सेनन के साथ नजर आने वाली है। यह एक कॉमेडी फिल्म है। करीना बॉलीवुड के पुराने दिनों को याद करते हुए कहती हैं, अब क्यों नहीं लोग लव-स्टोरी बनाते हैं। करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म क्रू की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में वे एक एयर होस्टेस की भूमिका में नजर आने वाली हैं। करीना अपनी आने वाली फिल्म को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहीं हैं। हाल ही में अपने फिल्म के प्रमोशन के दौरान करीना पुराने दिनों को याद करती नजर आईं।

गीत दिमाग से नहीं दिल से सोचती थी

करीना कपूर ने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। अभिनेत्री की फिल्म जब वी मेट आज भी दर्शकों को बेहद पसंद है। करीना उस फिल्म में गीत के किरदार में नजर आई थीं। करीना कहती हैं, देखिए जब वी मेट जैसी फिल्में बार-बार नहीं बनती हैं। आज भी दर्शक गीत को याद करते हैं। गीत दिल से सोचती थी। वह किरदार सोशल मीडिया वाले युग से पहले का किरदार है।

मुंबई के हुक्का बार पर पकड़े गए मुनव्वर फारूकी

मुनव्वर फारूकी को मुंबई पुलिस ने एक हुक्का बार पर छापेमारी के दौरान हिरासत में लिया?। मुनव्वर का मेडिकल टेस्ट करवाया गया, जो पॉजिटिव निकला और उन पर एक्शन लिया गया। मुंबई पुलिस ने जानकारी दी कि मुनव्वर फारूकी को फिर पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। मुनव्वर फारूकी अब एक नई मुश्किल में फंस गए। हाल ही मुंबई में एक हुक्का बार में हुई छापेमारी के दौरान मुंबई पुलिस ने मुनव्वर फारूकी को हिरासत में ले लिया। उनके साथ छह अन्य लोगों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया था। घटना मंगलवार, 26 मार्च रात की है। हालांकि बाद में पूछताछ के बाद मुनव्वर फारूकी को छोड़ दिया गया। इसके कुछ देर बाद मुनव्वर फारूकी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एयरपोर्ट से तस्वीरें शेयर कीं। मुंबई पुलिस की सामाजिक सेवा शाखा ने एक टिप मिलने पर बोरा बाजार में सबलान हुक्का बार पर छापा मारा। था।

उर्वशी ने शादी के सवाल पर दिया ऐसा जवाब, सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

बीते कुछ वक्त से चर्चा ऐसी चर्चा है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला क्रिकेटर ऋषभ पंत को डेट कर रही हैं. हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते को लेकर किसी भी तरह की आधिकारिक घोषणा नहीं की है. लेकिन साल 2022 में जब ऋषभ पंत का कार एक्सीडेंट हुआ तो उर्वशी रौतेला और उनकी मां क्रिकेटर का हालचाल लेने अस्पताल में पहुंची थी. जिसके बाद से एक्ट्रेस और ऋषभ पंत के रिश्ते को लेकर और भी तेज हो गई. इस बीच उर्वशी रौतेला ने उनके साथ अपनी शादी को लेकर प्रतिक्रिया दी है. हाल ही में जेएनयू एक्ट्रेस ने वेबसाइट से बातचीत की.

इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म के अलावा पर्सनल लाइफ के बारे में भी बताया है. उर्वशी रौतेला से सवाल किया गया कि वह ऋषभ पंत से कब शादी करेंगी. इस पर एक्ट्रेस ने थोड़ी देर खामोश होकर कहा- नो कमेंट्स. एक्ट्रेस के इस जवाब से साफ है कि उर्वशी ने अपनी पर्सनल लाइफ को सीक्रेट रखने का फैसला किया है.

आपको बता दें कि उर्वशी रौतेला इन दिनों फिल्म जे.एन.यू.- जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी को लेकर चर्चा में हैं. वह इन दिनों अपनी इस फिल्म का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही हैं. इसके अलावा उर्वशी रौतेला अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम 3 में उर्वशी रौतेला, बॉबी देओल,दलकीर सलमान, नंदमुरी बालकृष्ण के साथ एनबीके109, सनी देओल और संजय दत्त के साथ बाप (हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर एक्सपेंडेबल्स का रीमेक).

द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो के पहले एपिसोड में नजर आएंगे रणबीर कपूर

कपिल शर्मा अपनी टीम के साथ नेटफ्लिक्स पर लोगों का एंटरटेनमेंट करने के लिए आ गए हैं। इस शो के पहले एपिसोड का प्रोमो सामने आया है। जिसमें साफ हो गया है कि पहले एपिसोड में रणबीर कपूर, नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर साहनी बतौर गेस्ट नजर आएंगे।

इस दौरान इनकी लाइफ से जुड़े कई खुलासे भी होने वाले हैं। सामने आए प्रोमो में ही रणबीर कपूर के कई सीक्रेट खुल गए हैं, जो किसी और ने नहीं बल्कि उन्होंने खुद खोले हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो के पहले एपिसोड में आप रणबीर कपूर के कई खुलासे देखने वाले हैं। एक्टर ने इस शो के प्रोमो में रिवील किया कि वो अपनी मां की ज्वेलरी अपनी गर्लफ्रेंड्स को दे दिया करते थे। अब आखिर ये बात शुरू कैसे हुई, इसके बारे में आपको बताते हैं। दरअसल कपिल शर्मा कहते हैं कि रणबीर ने रिद्धिमा के कपड़े अपनी गर्लफ्रेंड्स को गिफ्ट किए हैं।

इस पर रिएक्ट करते हुए रणबीर झट से कहते हैं, मैंने तो गर्लफ्रेंड्स को मम्मी के गहने भी दे डाले। रणबीर का जवाब सुनते ही नीतू थोड़ा शॉक होती हैं और फिर हंसने लगती हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो में एक बार फिर कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर की जोड़ी साथ मिलकर लोगों का एंटरटेनमेंट करेगी। लंबे वक्त के बाद दोनों इस शो में साथ आए हैं। साथ ही कीकू शारदा और कृष्णा अभिषेक भी लोगों का एंटरटेनमेंट करेंगे।

राजनीति में जाना चाहती है सारा अली

सारा अली खान इन दिनों लगातार अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उनकी दो मोस्ट अवेटेड फिल्में 'मर्डर मुबारक' और 'ऐ वतन मेरे वतन' रिलीज हो चुकी हैं। इसे दर्शकों से अच्छा खासा रिस्पांस मिल रहा है। 'मर्डर मुबारक' उनकी पहली सस्पेंस थ्रिलर थी। इसके साथ ही 'ऐ वतन मेरे वतन' में उन्होंने उषा मेहता का रोल प्ले किया, जिसे लोगों से खूब प्यार मिला और उनकी एक्टिंग ने सभी का दिल जीत लिया। इसी बीच अब उनकी राजनीति में एंट्री की चर्चा शुरू हो गई है। इस पर एक्ट्रेस का रिएक्शन भी सामने आया है। दरअसल, कंगना रनौत के मंडी से लोकसभा चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद सारा अली खान का पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा था। इसमें उन्होंने राजनीति में जाने की दिलचस्पी दिखाई थी। ऐसे में 'मर्डर मुबारक' के प्रमोशन के दौरान सारा ने कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी से बात की थी। इस बातचीत के दौरान उनसे राजनीति में एंट्री को लेकर सवाल किया गया था कि आगे चलकर सारा राजनीति में शामिल होना चाहती हैं? तो इस पर उनकी ओर से हां में जवाब दिया गया। उन्होंने कहा कि हां वो जा सकती हैं।

रामायण में राम रणबीर की मां कौशल्या बनेंगी इंदिरा कृष्णन

एनिमल में निभाया था सास का रोल

नितेश तिवारी की रामायण में एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णन राम की मां कौशल्या के रोल में होंगी। रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे और इंदिरा उनकी मां होंगी। इंदिरा कृष्णन ने रणबीर कपूर स्टारर एनिमल में उनकी सास का रोल प्ले किया था। नितेश तिवारी की फिल्म रामायण को लेकर दो बड़े अपडेट सामने आए हैं। जो एक्ट्रेस इस फिल्म में राम की माता कौशल्या का किरदार निभाएंगी, उनका नाम सामने आया है। साथ ही बताया जा रहा है कि रामायण दिवाली 2025 पर रिलीज हो सकती है, और इसे लेकर अप्रैल में ऑफिशियल अनाउंसमेंट की जा सकती है। कहा जा रहा है कि पॉपुलर फिल्म और टीवी एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णन रामायण में कौशल्या का किरदार निभाएंगी। फिलहाल इंदिरा कृष्णन टीवी शो ध्रुव ताराः समय सदी से परे में राजमाता दुर्गावती का रोल प्ले कर रही हैं।

डॉ. महेश शर्मा ने कई गांवों में किया जनसपंर्क

नोएडा (चेतना मंच)। सिकंदराबाद विधानसभा के गांव सांवली, सराय जगन्नाथ, आढा, सराय घासी, भटौला, वीरखेडा लोधी चौपाल सराय झाझन एवं छांसियावाडा में भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा ने जनसंपर्क कर वोट मांगे। आगामी चुनाव को देखते हुए कई जगहों पर ग्राम चौपाल का आयोजन हुआ और सैनी समाज के साथ बैठक कर चुनाव में शत प्रतिशत मतदान को लेकर चर्चा की।

जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान सिकंदराबाद विधायक लक्ष्मीराज सिंह, एमएलसी नरेन्द्र भाटी, जिलाध्यक्ष विकास चौहान, सांसद प्रतिनिधि सुरेश चन्द शर्मा, ब्लाक प्रमुख पुष्पेंद्र भाटी, कर्मवीर गुर्जर चाहत, प्रधान, जगपाल सोलंकी, हरेन्द्र सिंह पवार, सुन्दर पाल सिंह तेवतिया, मण्डल अध्यक्ष संजय भराना, दीपक दुल्हेरा, भवतोष जिन्दल, राज सिंह प्रधान, टैलू ठेकेदार, रविन्द्र प्रधान, राकेश प्रधान, जीत प्रधान, हिमांशु प्रधान, राहुल प्रधान, रविन्द्र महाषय, विरेन्द्र यादव, बबलू यादव, राजेष सैन, जयभगवान त्रिवेदी, दीपक प्रधान, डा. रिषीपाल रिषभ चौधरी समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुजफ्फरनगर में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में सम्मिलित होते हुए। इस दौरान भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

पेड न्येज व फेक न्यूज पर रहेगी कड़ी नजर : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 13-गौतमबुद्धनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को निष्पक्ष,

स्वतंत्र, पूर्ण पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी/अध्यक्ष एम.सी.एम.सी. कमेटी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में एम.सी.एम.सी. कमेटी की बैठक संपन्न हुई, जिसमें एम.सी.एम.सी. कमेटी के नोडल अधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में कहा कि जनपद में निर्वाचन को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न करने के लिए एम.सी.एम.सी. कमेटी का बहुत ही अहम रोल होता है, इसलिए एम.सी.एम.सी. कमेटी के सभी सदस्यगण इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया एवं अन्य सोशल साइटों पर प्रसारित होने वाली प्रचार सामग्री पर अपनी विशेष निगरानी रखें। साथ ही कहा कि प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाली खबरों की भी निरंतर मॉनिटरिंग की जाए, ताकि जनपद में पेड या फेंक न्यूज़ का प्रकाशन न हो सके, यदि कोई भी पेड या फेक न्यूज़ संज्ञान में आती है तो, तत्काल एम.सी.एम.सी. कमेटी उसकी रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को प्रेषित करें, ताकि संबंधित प्रत्याशी से उसकी आख्या प्राप्त कर आयोग को प्रेषित की जा सके। उन्होंने एम.सी.एम.सी. कमेटी के नोडल अधिकारी को यह भी निर्देश दिए कि उनके द्वारा प्रतिदिन समाचार पत्रों में छपने वाले विज्ञापनों की व्यय रिपोर्ट व्यय लेखा टीम एवं आर.ओ. को प्रेषित करेंगे, ताकि समाचार पत्रों में छपने वाले विज्ञापन पर होने वाला व्यय प्रत्याशी के व्यय में जोड़ा जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त मीडिया संस्थानों से अपील करते हुए कहा कि सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रत्याशियों के विज्ञापनों को प्रकाशित व प्रसारित करने से पूर्व संबंधित प्रत्याशी से विज्ञापन के संबंध में आर.ओ. अवश्य प्राप्त करें।

30 नामांकन पत्र खरीदे, नामांकन एक भी नहीं

नोएडा (चेतना मंच)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 13-गौतम बुद्ध नगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। नामांकन प्रक्रिया के प्रथम दिन प्रत्याशियों के द्वारा 30 नामांकन प्रपत्र प्राप्त किए गए।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने 13-गौतम बुद्ध नगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित किए गए कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया आज 28 मार्च 2024 दिन बृहस्पतिवार को निर्वाचन की अधिसूचना के साथ ही नामाकंन प्रकिया प्रारम्भ हो गयी है।

आयोग द्वारा द्वितीय चरण के लिए नाम निर्देशन हेतु अंतिम तिथि 04 अप्रैल 2024 दिन बृहस्पतिवार, नाम निर्देशनों की संवीक्षा हेतु तिथि 05 अप्रैल 2024 दिन शुक्रवार, नाम वापसी हेतु अंतिम तिथि 08 अप्रैल 2024 दिन सोमवार निर्धारित की गयी है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण का मतदान 26 अप्रैल 2024 दिन शुक्रवार तथा 04 जून 2024 दिन मंगलवार को मतगणना सम्पन्न होगी। 06 जून 2024 दिन बृहस्पतिवार से पूर्व निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण कर ली जायेंगी।

होली पर अश्लील स्टंट करने वाली दो लड़कियां व लड़का गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। होली के मौके पर अश्लील रील बनाने और स्कूटी पर स्टंटबाजी और अश्लील तरीके से होली खेलने का वीडियो वायरल करने वाली दोनों लड़कियां व लड़का गिरफ्तार कर लिए गए हैं। ट्रैफिक नियमों का उल्लघंन करने को लेकर जहां ट्रैफिक पुलिस ने हजारों रुपये का चालान काट दिया था। वहीं नोएडा पुलिस ने उनके खिलाफ अश्लीलता फैलाने को लेकर केस दर्ज कर लिया था। नोएडा की सेक्टर-113 थाना पुलिस ने अब दोनों लड़कियों और एक लड़के को गिरफ्तार कर लिया है।

नोएडा पुलिस ने सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन के पास से वीडियो बनाने वाली प्रीति, विनीता और पीयूष को गिरफ्तार किया है। होली के दिन तीनों ने सेक्टर 78 में अश्लील वीडियो बनाते हुए ट्रैफिक नियमों का भी उल्लघंन किया था। जिसके बाद पुलिस ने आईपीसी की धारा-279, 290, 294, 336, 337 के तहत FIR दर्ज की थी। प्रीति, विनीता और पीयूष को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। चूंकि ये सभी जमानती धाराएं हैं, इसलिए उन्हें जमानत मिल जाएगी।

31 मार्च से पहले करा लें Fastag KYC Update, नहीं तो होगा भारी नुकसान!

नोएडा (चेतना मंच)। मार्च खत्म होने वाला है, ऐसे में अगर आप Fastag KYC Update करना भूल गए है तो आपको इसका भारी नुकसान भी भुगतना पड़ सकता है। क्योंकि 31 मार्च फास्टैग में केवाईसी अपडेट करने की आखिरी तारीख है। इस तरह आपको 1 अप्रैल 2024 यानी नए वित्त वर्ष के शुरुआत से पहले ही फास्टैग केवाईसी को अपडेट का काम निपटा लें, नही तो अगले महीने से केवाईसी पूरी न होने के कारण आपको हाईवे और एक्सप्रेस वे पर टोल प्लाजा पर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि NHAI यानी नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने Fastag KYC Update के लिए 31 मार्च 2024 तक डेडलाइन जारी की है। ऐसे में बहुत से लोगों का सोचना है सरकार लास्ट डेट निकलने के बाद थोड़ा समय आगे बढ़ा देती है। अगर 31 मार्च तक अपडेट नहीं किया तो आगे चलकर अपडेट कर लेंगे, तो ऐसा आप गलत सोच रहे है।

बहुत से लोग फास्टैग में केवाईसी को अपडेट करने की तारीख बढ़ जाएगी, तो इस काम को आगे चलकर निपटा लेंगे इस भरोसे बैठे है। ऐसे में मान लिजिए अगर सरकार ने इस बार टाइमलाइन को आगे नहीं बढ़ाया तो गाड़ी पर लगे FasTag का क्या होगा? फास्टैग में केवाईसी अपडेट नहीं हुआ तो हो सकता है फास्टैग डीएक्टिवेट या ब्लैकलिस्ट हो जाएं। क्योंकि एक शहर से दूसरे शहर में सफर करने के लिए जब भी कोई कार हाईवे या फिर एक्सप्रेस वे से गुजरती है तो टोल प्लाजा पर फास्टैग के जरिए आपका बैलेंस काट जाता है। अगर आपने फास्टैग में केवाईसी अपडेट नहीं किया तो फास्टैग काम ही नहीं करेगा ऐसें में आप टोल कैसे पार करेंगे?

Fastag KYC Update को कैसे अपडेट करें?

इसके लिए सबसे पहले आपको https://fastag.ihmcl.com पार जाना पड़ेगा। फिर उसमें अपना मोबाइल नंबर डालें, इस बात पर ध्यान दें कि आपके फास्टैग के साथ जो नंबर लिंक वही नंबर यहां डालें। इसके बाद मोबाइल नंबर डालने के बाद आपके रजिस्टर नंबर पर ओटीपी मिलेगा। फिर ओटीपी डालकर लॉग-इन कर लिजिए। इसके बाद लेफ्ट साइड में आपको माय प्रोफाइल टैब पर जाकर क्लिक करना पड़ेगा। इसके बाद प्रोफाइल टैब पर क्लिक करेंगे तो आपके सामने KYC टैब खुलकर आ जाएगा। इसके बाद आपको केवाईसी टैब पर क्लिक करके कुछ जरूरी जानकारी और डॉक्यूमेंट्स को अपलोड करना पड़ेगा। जैसे कि RC, DL, एड्रेस प्रूफ, फोटो आदि। सभी जानकारी और डॉक्यूमेंट्स अपलोड करने के बाद आप सबिट का बटन दबा सकते है।आपकी जानकारी के लिए बताते चले कि ऊपर बताया गया Fastag KYC Update करने का ये तरीका उन लोगों के काम आएगा जिनके पास imhcl का फास्टैग है। वहॉ ध्यान दें कि अगर आपके पास किसी बैंक का फास्टैग है तो आप बैंक की ऑफिशियल साइट पर जाकर, सभी डॉक्यूमेंटस् अपलोड कर केवाईसी को अपडेट करा सकते हैं। मुश्किल पड़ने पर आप बैंक या कस्टमर केयर से संपर्क करके मदद मांग सकते है।